NIOS PYQ's SOLUTIONS

PREVIOUS YEARS' QUESTIONS & ANSWERS

APRIL-2025

Your Path to Success

SET - A

दिए गए पाठ्यक्रम पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :

1. 'भरत का भ्रातृप्रेम' प्रसंग के आधार पर लिखिए कि राम को सम्मुख देख भरत की आँखें भर गईं-

(A) करुणा से **(B) प्रेम के आँसुओं से**

(C) दर्द के कारण **(D) पश्चात्ताप के आँसुओं से**

उत्तर - (B) प्रेम के आँसुओं से

2. 'भरत का भ्रातृप्रेम' से उद्धृत पंक्ति 'कबहूँ न कीन्ह मोर मन भंगू' के आधार पर लिखिए कि किसने किसका मन नहीं दुखाया?

(A) भरत ने राम का **(B) राम ने भरत का**

(C) कैकयी ने राम का **(D) कैकयी ने भरत का**

उत्तर - (B) राम ने भरत का

3. निम्नलिखित में से किस पंक्ति में रूपक अलंकार है?

(A) सुनि मुनि वचन राम रुख पाई **(B) मातु मंदि मैं साधु सुचाली**

(C) मोर अभाग उदधि अवगाहू **(D) जारिऊँ जायँ जननि कहि काकू**

उत्तर - (C) मोर अभाग उदधि अवगाहू

4. मीरा के पद के आधार पर लिखिए कि श्रीकृष्ण को मोल लेने के लिए मीरा ने कौन-सी कीमत नहीं चुकाई?

(A) लोक अपवाद **(B) सगे-संबंधियों की भर्त्सना**

(C) धन-संपत्ति **(D) पारिवारिक लांछन**

उत्तर - (C) धन-संपत्ति

5. पद्माकर रचित पद में किस रस की प्रधानता है?

(A) वात्सल्य **(B) श्रृंगार**

(C) वीर **(D) भयानक**

उत्तर - (B) श्रृंगार

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

6. 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' कविता के संदर्भ में निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

कथन : सुख के बीते पलों के साथ दुख के वर्तमान दिनों को जोड़ देने से मन व्यथित हो जाता है।

कारण : व्यक्ति को ऐसा लगता है कि जो खुशी के पल बीत चुके हैं वे दोबारा वापस नहीं आ सकते।

(A) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं।

(B) कारण सही है लेकिन कथन गलत है।

(C) कथन सही है लेकिन कारण कथन की गलत व्याख्या है।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

उत्तर - (D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

7. कॉलम (1) को कॉलम (2) से सुमेलित कीजिए और उचित विकल्प चुनकर लिखिए :

कॉलम (1)	कॉलम (2)
(i) मशाल	(1) दमनकारी सत्ता
(ii) भेड़िये	(2) आम-आदमी
(iii) तुम	(3) सामूहिक चेतना

विकल्प :

(A) (i)-(3), (ii)-(1), (iii)-(2)

(B) (i)-(1), (ii)-(3), (iii)-(2)

(C) (i)-(2), (ii)-(1), (iii)-(3)

(D) (i)-(3), (ii)-(2), (iii)-(1)

उत्तर - (A) (i)-(3), (ii)-(1), (iii)-(2)

8. 'संयुक्त परिवार' कविता का कवि अतिथि के घर से बिना मिले ही लौट जाने से परेशान क्यों है?

(A) कवि मेल-मिलाप में विश्वास रखता है

(B) अतिथि उसका परिचित था

(C) आगंतुक के आने का कारण वह नहीं जान सका

(D) आगंतुक की आवभगत से वह वंचित रह गया

उत्तर - (C) आगंतुक के आने का कारण वह नहीं जान सका

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

9. सुभद्राकुमारी चौहान के अनुसार स्त्री और पुरुष के व्यक्तित्व को अलग-अलग मानने का आधार है :

(A) दोनों की शारीरिक संरचना

(B) दोनों का बाहरी परिवेश

(C) दोनों की स्वतंत्र इच्छा-शक्ति

(D) दोनों के भीतर स्वतंत्र आत्मा

उत्तर - (D) दोनों के भीतर स्वतंत्र आत्मा

10. सुभद्राकुमारी चौहान पाठ के आधार पर नारी वीरत्व धर्म किसलिए अपनाती है?

(A) सृष्टि के कल्याण के लिए

(B) अहंकार की पूर्ति के लिए

(C) राग-द्वेष की पूर्ति के लिए

(D) निजी स्वार्थ की पूर्ति के लिए

उत्तर - (A) सृष्टि के कल्याण के लिए

11. सुभद्राकुमारी चौहान विपरीत परिस्थितियों में भी घर और बाहर के बीच संतुलन कैसे स्थापित कर पाईं?

(A) पारिवारिक सहयोग से

(B) सुदृढ़ आर्थिक स्थिति के कारण

(C) परिस्थितियों से समझौता करके

(D) दृढ़-निश्चय और मानसिक धैर्य से

उत्तर - (D) दृढ़-निश्चय और मानसिक धैर्य से

12. 'कुटज' पाठ के अनुसार अबोध कौन है?

(A) दूसरे का उपकार करने वाला

(B) दूसरे का अपकार करने वाला

(C) सांसारिक ज्ञान को नहीं समझने वाला

(D) मानसिक बल कम रखने वाला

उत्तर - (C) सांसारिक ज्ञान को नहीं समझने वाला

13. 'कुटज' की तुलना राजा जनक से क्यों की गई है?

(A) मन पर नियंत्रण रखने के कारण

(B) फूलों से लदा रहने के कारण

(C) दूसरों के हृदय-परिवर्तन करने की कला के कारण

(D) शुष्क वातावरण में भी हरा-भरा रहने के कारण

उत्तर - (A) मन पर नियंत्रण रखने के कारण

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

14. 'कुटज' पाठ के अनुसार सुख और दुख क्या हैं?

(A) नदी के दो किनारे | **(B) मन के विकल्प**

(C) जीवन के दो पहर | **(D) सुबह और शाम**

उत्तर - (B) मन के विकल्प

15. 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ के अनुसार, साहित्यिक वयोवृद्ध मोटा चश्मा लगाकर क्या करते थे?

(A) किताबें पढ़ते थे | **(B) चाँद को देखते थे**

(C) नई पीढ़ी को ताकते थे | **(D) सड़क पर चलते थे**

उत्तर - (B) चाँद को देखते थे

16. 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ में तरुणों ने वयोवृद्धों के लिए 'अर्थ' का क्या प्रबंध किया?

(A) उन्हें अंशकालिक काम दिलवा दिया | **(B) उन्हें मंदिर में काम दिलवा दिया**

(C) उन्हें रॉयल्टी दिलवाने का प्रबंध कर दिया | **(D) उन्हें देवता बनाकर मंदिर में बैठा दिया**

उत्तर - (C) उन्हें रॉयल्टी दिलवाने का प्रबंध कर दिया

17. 'चीफ़ की दावत' कहानी के आधार पर माँ चीफ के लिए फुलकारी बनाने के लिए तैयार हो जाती है, क्योंकि-

(A) इससे बेटे की तरक्की होगी | **(B) वह इस कला में कुशल थी**

(C) वह बेटे से भयभीत रहती थी | **(D) वह अपनी कला का प्रदर्शन चाहती थी**

उत्तर - (A) इससे बेटे की तरक्की होगी

18. 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के पात्र गोपाल प्रसाद के व्यक्तित्व के विषय में निम्नलिखित में से क्या असत्य है?

(A) वे महिलाओं की उच्च शिक्षा के विरोधी थे | **(B) वे वैवाहिक संबंध को व्यापार मानते थे**

(C) वे पुरुषवादी मानसिकता के शिकार थे | **(D) वे बच्चों की स्वतंत्रता के पक्षधर थे**

उत्तर - (D) वे बच्चों की स्वतंत्रता के पक्षधर थे

19. अच्छे पत्र का गुण नहीं है-

(A) सरलता | **(B) संक्षिप्तता**

(C) सहजता | **(D) जटिलता**

उत्तर - (D) जटिलता

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

20. "मैं यूनिवर्सिटी कैम्पस में खड़ा हूँ।" वाक्य बोलचाल की हिन्दी भाषा के किस प्रयुक्ति-क्षेत्र के अंतर्गत आता है?

(A) बंबइया हिन्दी **(B) दिल्ली की हिन्दी**

(C) हैदराबाद की हिन्दी **(D) ऐंग्लो हिन्दी**

उत्तर - (D) ऐंग्लो हिन्दी

21. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 1 शब्द या 1 वाक्य में दीजिए :

(क) 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी में समाज की किस समस्या को प्रस्तुत किया गया है?

उत्तर - लड़की विवाह की परंपराओं और पुरुषप्रधान मानसिकता।

(ख) 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ के आधार पर लिखिए कि पुरानी पीढ़ी के द्वारा युवा पीढ़ी को अधिकार न सौंपने से समाज को क्या नुकसान होता है?

उत्तर - पुरानी पीढ़ी द्वारा अधिकार न सौंपने से समाज की प्रगति रुक जाती है।

(ग) 'चीफ़ की दावत' कहानी के लेखक का नाम लिखिए।

उत्तर - भीष्म साहनी

22. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही/गलत में दीजिए :

(क) भाषा का विकास सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए नहीं होता है।

(ख) किसी भी पत्र का कच्चा रूप तैयार करना प्रारूपण कहलाता है।

(ग) हिन्दी के प्रथम समाचार-पत्र का नाम 'उदंत मार्तंड' है।

उत्तर -

(क) भाषा का विकास सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए नहीं होता है। **(गलत)**

(ख) किसी भी पत्र का कच्चा रूप तैयार करना प्रारूपण कहलाता है। **(सही)**

(ग) हिन्दी के प्रथम समाचार-पत्र का नाम 'उदंत मार्तंड' है। **(सही)**

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

23. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

वैराग्य छोड़ बाँहों की विभा सँभालो,
चट्टानों की छाती से दूध निकालो।
है रुकी जहाँ भी धार, शिलाएँ तोड़ो,
पीयूष चंद्रमाओं को पकड़ निचोड़ो।
चढ़ तुंग शैल-शिखरों पर सोम पियो रे!
योगियों नहीं, विजयी के सदृश जियो रे!

(क) 'बाँहों की विभा' से तात्पर्य नहीं है -

(A) भुजाओं की शक्ति

(B) भुजाओं का सौंदर्य

(C) भुजाओं का बल

(D) भुजाओं का सौष्ठव

उत्तर - (A) भुजाओं की शक्ति

(ख) 'चट्टानों की छाती से दूध निकालो' का आशय है :

(A) पत्थरों से पानी निकालना

(B) पहाड़ों से नदी निकालना

(C) पहाड़ों पर पताका फहराना

(D) विपरीत परिस्थितियों में विजय पाना

उत्तर - (D) विपरीत परिस्थितियों में विजय पाना

(ग) काव्यांश में प्रयुक्त 'तुंग' शब्द का अर्थ है :

(A) ऊँचा

(B) ऊबड़-खाबड़

(C) संकरा

(D) सपाट

उत्तर - (A) ऊँचा

(घ) 'सोम' शब्द का पर्यायवाची नहीं है :

(A) अमृत

(B) सुधा

(C) गरल

(D) पीयूष

उत्तर - (C) गरल

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ङ) काव्यांश के माध्यम से देशवासियों में कौन-सा भाव जाग्रत् किया गया है?

(A) वीरता **(B) वैराग्य**

(C) कायरता **(D) आलस्य**

उत्तर - (A) वीरता

(च) 'है रुकी जहाँ भी धार' प्रतीकार्थ है :

(A) पानी की धारा का **(B) मार्ग की बाधाओं का**

(C) विचारों की गंगाओं का **(D) मार्ग की शिलाओं का**

उत्तर - (B) मार्ग की बाधाओं का

(छ) 'चंद्रमाओं से पीयूष प्राप्त करने' से अभिप्राय है :

(A) अमृत प्राप्त करना **(B) रोशनी प्राप्त करना**

(C) चंद्रमा का रहस्य जानना **(D) लक्ष्य पा लेना**

उत्तर - (D) लक्ष्य पा लेना

24. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए :

इन सींखचों में जहाँ से कोई निकल सकता और कोई प्रवेश नहीं कर सकता। एक पतली-सी सूरज की किरण को छोड़कर जो संसार को सुखभरी नींद से जगाती है; लोग-बाग अँगड़ाइयाँ लेते, ओठों पर मुस्कान लिए उठते हैं, किरण जो औरों के लिए आशा का संदेश लिए आती है। इन अभागों के लिए जो यहाँ अंडमान में काला पानी भोग रहे थे, सुबह कभी कोई आशा का संदेश नहीं लाई और शाम आई तो वह भी डरती-डरती उनको कोठरियों की दहलीज पर एक स्वप्न मात्र रख गई-आज़ादी का स्वप्न, जिसे उन्होंने बरसों देखा, सँजोकर रखा। आखिर इस स्वप्न के लिए ही तो उन्होंने सजाएँ भोगी थीं। उनका जुर्म, अपराध क्या था? उन्होंने स्वप्न देखा था। और वे उसे असलियत में परिणत करना चाहते थे?

(क) गद्यांश के लेखक हैं :

(A) श्रीकांत वर्मा **(B) रामकुमार वर्मा**

(C) महादेवी वर्मा **(D) भीष्म साहनी**

उत्तर - (A) श्रीकांत वर्मा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ख) गद्यांश के पाठ का नाम है :

(A) सुभद्राकुमारी चौहान

(B) जिजीविषा की विजय

(C) कुटज

(D) अंडमान डायरी

उत्तर - (D) अंडमान डायरी

(ग) "इन सींखचों में जहाँ से कोई नहीं निकल सकता।" कथन में 'जहाँ' शब्द प्रयुक्त हुआ है :

(A) अंडमान द्वीपसमूहों के लिए

(B) जेल के फाँसीघरों के लिए

(C) जेल की तंग काल-कोठरियों के लिए

(D) अंग्रेजों की कैद के लिए

उत्तर - (C) जेल की तंग काल-कोठरियों के लिए

(घ) सुबह की पहली किरण आम आदमियों के लिए कौन-सा संदेश लेकर नहीं आती?

(A) आशा का

(B) निराशा का

(C) सुख का

(D) खुशहाली का

उत्तर - (B) निराशा का

(ङ) गद्यांश में प्रयुक्त 'परिणत' शब्द का अर्थ है :

(A) बदलना

(B) भोगना

(C) सहना

(D) रहना

उत्तर - (A) बदलना

(च) सेनानियों ने किसलिए यातनाएँ सहीं?

(A) स्वतंत्र हवा में साँस लेने के लिए

(B) अंग्रेजों के विरुद्ध एकजुट होने के लिए

(C) सुख-सुविधा प्राप्त करने के लिए

(D) अंग्रेजों का साथ न देने के लिए

उत्तर - (A) स्वतंत्र हवा में साँस लेने के लिए

(छ) गद्यांश में प्रयुक्त 'दहलीज' का शब्दार्थ नहीं है :

(A) ड्योढ़ी

(B) चौखट

(C) देहरी

(D) मर्यादा

उत्तर - (D) मर्यादा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

25. निम्नलिखित व्याकरण-संबंधी प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) विलोम शब्द लिखिए :

सुखांत; अमानुषिक।

उत्तर - विलोम शब्द :

सुखांत - दुखांत

अमानुषिक - मानुषिक

(ख) उपसर्ग/प्रत्यय अलग कीजिए :

दुर्दशा; अस्मिता।

उत्तर - उपसर्ग व प्रत्यय

दुर्दशा - दुर् : उपसर्ग

अस्मिता - ता : प्रत्यय

(ग) निम्नलिखित वाक्य में विराम-चिह्न लगाकर वाक्य पुनः लिखिए :

युधिष्ठिर ने नकुल से कहा तुम जल ढूँढ़कर ले आओ

उत्तर - युधिष्ठिर ने नकुल से कहा, "तुम जल ढूँढ़कर ले आओ।"

(घ) निम्नलिखित वाक्यों को जोड़कर एक सरल वाक्य बनाइए :

(i) पाँचों भाई वन में भ्रमण कर रहे थे।

(ii) उन्हें प्यास सताने लगी।

उत्तर - वन में भ्रमण करते समय पाँचों भाइयों को प्यास सताने लगी।

(ङ) निम्नलिखित वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए :

नकुल ने उस बगुले की ओर तनिक भी ध्यान नहीं दिया।

उत्तर - उस बगुले की ओर नकुल द्वारा तनिक भी ध्यान नहीं दिया गया।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(च) निम्नलिखित का शुद्ध रूप (वर्तनी) लिखिए :

संसारिक; उज्जवल।

उत्तर - शुद्ध रूप :

संसारिक - सांसारिक

उज्जवल - उज्ज्वल

(छ) 'पशुयोनि' पद का विग्रह करते हुए समास का नाम भी लिखिए।

उत्तर - विग्रह सहित समास का नाम :

समास विग्रह - पशु की योनि **(तत्पुरुष समास)**

(ज) संधि-विच्छेद कीजिए :

मृतावस्था; धर्मात्मा।

उत्तर - संधि-विच्छेद :

मृतावस्था = मृत + अवस्था

धर्मात्मा = धर्म + आत्मा

(झ) 'अंधे की लाठी' मुहावरे का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उसका अर्थ स्पष्ट हो जाए।

उत्तर - पढ़ाई के दिनों में यह पुस्तक मेरे लिए अंधे की लाठी साबित हुई।

(ञ) 'ईय' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए।

उत्तर - 'ईय' प्रत्यय से शब्द :

भारतीय (भारत + ईय)

राष्ट्रीय (राष्ट्र + ईय)

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

26. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

माई री म्हां लियाँ गोविन्दाँ मोल।
थे कह्यां छाणे म्हां कां चोड़्डे, लियाँ बजन्ता ढोल।
थे कह्यां मुंहोधो म्हां कह्या सस्तो, लिया री तराजां तोल।
तण वारां म्हां जीवण वारां, वारां अमोलक मोल।
मीराँ कूं प्रभु दरसण दीज्याँ, पूरब जनम को कोल॥

उत्तर -

माई री म्हां..............जनम को कोल॥

- **प्रसंग :** प्रस्तुत पंक्तियाँ "मीराँबाई" के पद से संकलित है। प्रस्तुत पद में मीराँ ने कृष्ण के साथ अपने प्रेम-संबंध की घोषणा अत्यंत साहस और दृढ़ता से की है।

- **व्याख्या :** मीराँ कहती हैं कि हे सखी! तुम कहती हो कि मैं उनसे यह संबंध छिपाकर रखती हूँ और मैं कहती हूँ कि मैंने खुले में ढोल बजा कर श्रीकृष्ण को मोल लिया है अर्थात् उन्हें खुले आम अपना लिया है। मुझे उनसे प्रेम है और मैं सार्वजनिक तौर पर इस प्रेम की घोषणा करती हूँ। मीराँ आगे कहती हैं कि हे सखी, तुम कहती हो कि यह सौदा मँहगा है पर मेरा मानना है कि यह बहुत सस्ता है; क्योंकि मैंने यह सौदा तराजू पर तौलकर किया है अर्थात् मैंने पूर्ण रूप से सोच-विचार कर, जाँच-परख कर ही ऐसा किया है और इसका जो मूल्य मैंने चुकाया है (लोक अपवाद, कुल-संबंधियों से मिलने वाली भर्त्सना और लांछना आदि) वह तुम्हारी दृष्टि में अधिक हो सकता है, पर मेरी दृष्टि में श्रीकृष्ण को पाने के लाभ की तुलना में अपयश बहुत कम है। मैंने तो उन पर अपना तन-मन और जीवन सभी कुछ न्योछावर कर दिया है। दूसरा अर्थ यह भी हो सकता है कि मैंनेअपना सब कुछ, जो अमूल्य था, कीमत के रूप में श्रीकृष्ण पर न्योछावर कर दिया। इसके बाद मीराँ पूर्व जन्म में दिए गए वचन का स्मरण कराते हुए श्रीकृष्ण से दर्शन देने की प्रार्थना करती हैं।

- **विशेष :**

1) ब्रजभाषा, राजस्थानी भाषा का प्रयोग किया गया है।
2) मुहावरे का प्रयोग किया गया है।
3) पद में गेयता है।
4) पद में लयात्मकता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

अथवा

नक्शे में जंगल हैं पेड़ नहीं
नक्शे में नदियाँ हैं पानी नहीं
नक्शे में पहाड़ हैं पत्थर नहीं
नक्शे में देश है लोग नहीं
समझ ही गए होंगे आप कि हम सब
एक नक्शे में रहते हैं
हमारी पैंटों और चप्पलों से लेकर
वल्दियत और चोटों के निशान
नब्ज रक्तचाप और तापमान
स्वप्न और स्मृतियों सहित नप चुके हैं
और नक्शे तैयार हैं

उत्तर -

नक्शे में जंगल..............नक्शे तैयार हैं

- **प्रसंग :** प्रस्तुत पंक्तियाँ **"नरेश सक्सेना"** द्वारा रचित कविता **'नक्शे'** से अवतरित है। यह कविता हमारे समाज, पर्यावरण और मानवता की वास्तविक स्थिति पर गहरी टिप्पणी करती है।

- **व्याख्या :** कवि **नरेश सक्सेना** की कविता **'नक्शे'** में बताया गया है कि नक्शे किसी स्थान का भौगोलिक विवरण दिखा सकते हैं, लेकिन उसकी असली सुंदरता, जीवन और जीवंतता नहीं। नक्शों में जंगल हैं, पर पेड़ नहीं; नदियाँ हैं, पर पानी नहीं; पहाड़ हैं, पर पत्थर नहीं; और देश हैं, पर लोगों की पहचान नहीं। यह आधुनिकता और शहरीकरण के कारण प्राकृतिक संसाधनों के शोषण और मानवीयता की कमी को दर्शाता है।

  कवि आगे कहते हैं कि जीवन की छोटी चीज़ें- पैंट, चप्पल, चोट के निशान, यादें, शरीर की स्थिति भी नक्शों में समा गई हैं। **'वल्दियत'** से वह सब दर्शाते हैं जो हमें पुरखों और परंपराओं से मिली, पर अब वस्तु बनकर नक्शे का हिस्सा बन गई है। सपने और यादें भी हमारी नहीं रहीं। पर्यावरण और प्रकृति इतना बिगड़ चुका है कि उसका असली रूप खो गया है, जबकि नक्शों में सब कुछ साफ़-सुथरा और सुंदर दिखता है।

- **विशेष :**

1) नक्शा इस पूँजीवादी व्यवस्था द्वारा तैयार की गई उन तमाम योजनाओं का प्रतीक हैं, जिसमें आम लोगों और देशों को शामिल होने के लिए मज़बूर किया जाता है।
2) व्यक्ति, प्रकृति, संवेदना और मानवीयता के लिए कोई जगह नहीं है।
3) कविता में एक खास तरह की नाटकीयता हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

27. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए :

(क) 'संयुक्त परिवार' कविता में संयुक्त और एकल परिवार के बीच का अंतर बताया गया है। आपको दोनों में से कौन-सा अच्छा लगता है? कारण सहित स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - एकल परिवार अर्थात वह परिवार जिसमें सिर्फ़ माता-पिता और उनके बच्चे होते है किंतु संयुक्त परिवार में दादा-दादी, चाचा-चाची सहित चचेरे भाई-बहन आदि एक साथ रहते है। इसलिए मुझे संयुक्त परिवार अच्छा लगता है क्योंकि इसमें सभी सदस्य मिलकर रहते हैं। बड़ों का स्नेह और मार्गदर्शन मिलता है तथा बच्चों को संस्कार प्राप्त होते हैं। सुख-दुःख में सब साथ रहते हैं और जिम्मेदारियाँ बाँट ली जाती हैं।

(ख) कवि दुष्यंत कुमार बाहरी ढाँचे में नहीं, अपितु आधारभूत परिवर्तन चाहते हैं, क्यों? कविता के आधार पर तर्क सहित स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - दुष्यंत कुमार बाहरी दिखावे और सतही सुधारों से संतुष्ट नहीं हैं। वे मानते हैं कि असली समस्या व्यवस्था की नींव में है, **"शर्त लेकिन थी कि ये बुनियाद हिलनी चाहिए।"** जहाँ भ्रष्टाचार और अन्याय गहराई तक फैले हैं। केवल नारे या औपचारिक बदलाव पर्याप्त नहीं हैं। जनता के अधिकार, न्याय और समानता के लिए जड़ों में परिवर्तन आवश्यक है। इसीलिए कवि आधारभूत बदलाव चाहता है, ताकि समाज सचमुच बदल सके और सच्चा लोकतंत्र स्थापित हो सके।

(ग) 'भरत का भ्रातृप्रेम' प्रसंग के आधार पर भरत की मनोदशा का वर्णन कीजिए।

उत्तर - 'भरत का भ्रातृप्रेम' प्रसंग में भरत की मनोदशा अत्यंत करुण और भावुक दिखाई देती है। राम के वनवास की बात सुनकर वह दुखी हो जाते हैं और स्वयं को दोषी मानते हैं। वे राजसिंहासन को ठुकरा देते हैं और राम को अयोध्या लाने का निश्चय करते हैं। उनके हृदय में राम के प्रति गहरी श्रद्धा और प्रेम है। भरत का मन राजसुख से विरक्त होकर केवल भाई को वापस लाने की इच्छा करता है।

28. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

आज की दुनिया विचित्र नवीन
प्रकृति पर सर्वत्र विजयी पुरुष आसीन।
हैं बँधे नर के करों में वारि, विद्युत, भाप,
हुक्म पर चढ़ता उतरता है पवन का ताप।
है नहीं बाकी कहीं व्यवधान,
लाँघ सकता नर सरिता, सिंधु एक समान।
शीश पर आदेश कर अवधार्य
प्रकृति के सब तत्त्व करते हैं मनुज के कार्य,
मानते हैं हुक्म मानव का महा वरुणेश,
और करता शब्दगुण अंबर वहन संदेश।
नव्य नर की मुष्टि में विकराल,
हैं सिमटते जा रहे दिक्काल।
यह प्रकृति निस्सीम नर का यह अपूर्व विकास।
चरण तल भूगोल मुट्ठी में लिखित आकाश।
किन्तु है बढ़ता गया मस्तिष्क ही निःशेष;
छूटकर पीछे गया है रह हृदय का देश।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(क) काव्यांश में आज की दुनिया को विचित्र और नवीन क्यों कहा गया है?

उत्तर - काव्यांश में आज की दुनिया को विचित्र और नवीन इसलिए कहा गया है क्योंकि मनुष्य ने विज्ञान और तकनीक से प्रकृति पर विजय पा ली है।

(ख) मनुष्य के आदेशों को अपने सिर पर कौन धारण करता है?

उत्तर - मनुष्य के आदेशों को अपने सिर पर प्रकृति के सभी तत्त्व धारण करते हैं।

(ग) मनुष्य द्वारा धरती और आकाश को नापने के बाद भी क्या शेष रह गया है?

उत्तर - मनुष्य द्वारा धरती और आकाश को नापने के बाद भी हृदय का देश शेष रह गया है।

(घ) मनुष्य के हाथों में कौन-कौन बँधे हैं?

उत्तर - मनुष्य के हाथों में जल (वारि), बिजली (विद्युत) और भाप बँधे हैं।

(ङ) क्या मानव द्वारा प्राप्त इस प्रगति को आप वास्तविक प्रगति मानते हैं? 15-20 शब्दों में उत्तर दीजिए।

उत्तर - नहीं, यह वास्तविक प्रगति नहीं है क्योंकि इसमें मनुष्य की भावनाओं और हृदय की संवेदनाएँ पीछे छूट गई हैं।

29. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) हमारे शैशवकालीन अतीत और प्रत्यक्ष वर्तमान के बीच समय-प्रवाह का पाट ज्यों-ज्यों चौड़ा होता जाता है त्यों-त्यों हमारी स्मृति में अनजाने में एक परिवर्तन लक्षित होने लगता है, शैशव की चित्रशाला के जिन चित्रों से हमारा रागात्मक संबंध गहरा होता है, उनकी रेखाएँ और रंग इतने स्पष्ट और चमकीले होते चलते हैं कि हम वार्धक्य की धुँधली आँखों से भी उन्हें प्रत्यक्ष देखते रहते हैं। पर जिनसे ऐसा संबंध नहीं होता वे फीके होते-होते इस प्रकार स्मृति से धुल जाते हैं कि दूसरों के स्मरण दिलाने पर भी उनका स्मरण कठिन हो जाता है।

उत्तर -

हमारे शैशवकालीन अतीत..........हो जाता है।

- **प्रसंग :** प्रस्तुत गद्यांश हिन्दी साहित्य की प्रसिद्ध लेखिका **महादेवी वर्मा** संस्मरण **सुभद्रा कुमारी चौहान** से उद्धृत है। जिसमें उन्होंने मानव-स्मृति की विशेषताओं और बाल्यकालीन अनुभवों की स्थायित्व-शक्ति पर प्रकाश डाला है।

- **व्याख्या :** लेखिका कहती हैं कि शैशवकाल और वर्तमान जीवन के बीच समय का फासला जितना बढ़ता जाता है, हमारी स्मृतियाँ भी उतनी धुंधली होती जाती है। बचपन की वे घटनाएँ और चित्र, जिनसे हमारा आत्मीय और भावनात्मक संबंध जुड़ा रहता है, उनकी रेखाएँ व रंग इतने प्रखर और चमकीले बने रहते हैं कि वृद्धावस्था में भी हम उन्हें प्रत्यक्ष अनुभव कर सकते हैं। इसके विपरीत जिन घटनाओं से हमारा गहरा संबंध नहीं होता, वे धीरे-धीरे फीकी पड़कर स्मृति से मिट जाती हैं, यहाँ तक कि दूसरों के स्मरण दिलाने पर भी उन्हें याद कर पाना कठिन हो जाता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

विशेष :

1) सहज, स्पष्ट तथा भावनात्मक भाषा का प्रयोग किया है, जिससे भाव सीधे हृदय को स्पर्श करते हैं।
2) चित्रात्मकता शैली का प्रयोग किया गया है। जैसे - "शैशव की चित्रशाला", "धुँधली आँखें", "चित्रों की रेखाएँ और रंग"।
3) भाषा में आत्मीयता और संवेदनशीलता है, जो स्मृतियों को जीवंत कर देती है।

अथवा

(ख) शिवालिक की सूखी नीरस पहाड़ियों पर मुस्कराते हुए ये वृक्ष द्वंद्वातीत हैं, अलमस्त हैं। मैं किसी का नाम नहीं जानता, कुल नहीं जानता, शील नहीं जानता, पर लगता है, ये जैसे मुझे अनादि काल से जानते हैं। इन्हीं में एक छोटा-सा बहुत ही ठिगना-पेड़ है, पत्ते चौड़े भी हैं, बड़े भी हैं। फूलों से तो ऐसा लदा है कि पूछिए नहीं। अजीब-सी अदा है, मुस्कराता जान पड़ता है।

उत्तर -

शिवालिक की सूखी..........जान पड़ता है।

प्रसंग : प्रस्तुत गद्यांश प्रसिद्ध निबंधकार **आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी** द्वारा **रचित निबंध 'कुटज'** से अवतरित है।

व्याख्या : यहाँ लेखक शिवालिक की पहाड़ियों की सूनी, नीरस स्थिति का वर्णन कर रहे हैं। वे बताते हैं कि इन पहाड़ियों पर उगने वाले वृक्ष, जैसे कुटज, अपने स्वरूप में द्वंद्वातीत हैं- यानी वे किसी द्वंद्व या संघर्ष से बाहर, अलमस्त और स्वतंत्र हैं। वे इन वृक्षों से परिचित हैं, भले ही उनका नाम या अन्य किसी पहचान का ज्ञान न हो। यह एक गहरे आत्मिक जुड़ाव की भावना है, जैसे इन वृक्षों के साथ उनका संबंध अनादि (अनंत काल से) जुड़ा हुआ है। यहाँ कुटज के छोटे, ठिगने वृक्ष का वर्णन किया जा रहा है, जो फूलों से पूरी तरह लदा हुआ है। यह वृक्ष एक अद्वितीय सुंदरता और जीवन की प्रचुरता का प्रतीक है।

विशेष :

1) तत्सम शब्दों का बाहुल्य है।
2) खड़ी बोली का प्रयोग किया गया है।
3) भाषा में प्रवाह है।
4) लेखक ने प्रकृति एवं कुटज से प्रेरणा ग्रहण करने का उपदेश दिया है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

30. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए :

(क) नई पीढ़ी, पुरानी पीढ़ी के बीच मतभेद का क्या कारण है? 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ के आधार पर लिखिए। इस प्रकार के मतभेद को किस प्रकार दूर किया जा सकता है, तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

उत्तर - 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ के अनुसार, नई और पुरानी पीढ़ी के बीच मतभेद का मुख्य कारण पुरानी पीढ़ी के अनुभव और नई पीढ़ी की सोच में टकराव तथा बदलते समय के अनुसार विचारों और जीवनशैली में आया अंतर है। इस मतभेद को दूर करने के लिए दोनों पीढ़ियों को एक-दूसरे के विचारों का सम्मान करना व परिवर्तनों को स्वीकार करना चाहिए और आपसी बातचीत व समझदारी से रास्ता निकालना चाहिए।

(ख) 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के आधार पर उमा की चारित्रिक विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के आधार पर उमा की चारित्रिक विशेषताएँ निम्नलिखित है -

1) उमा बी.ए.पास सुशिक्षित तथा प्रगतिशील विचारों वाली लड़की है। उसे उच्च शिक्षा पाने पर शर्म नहीं बल्कि गर्व है।
2) उमा बनावटी सुंदरता से दूर रहने वाली तथा सादगी पसंद करने वाली लड़की है।
3) उमा शिक्षा के साथ ही संगीत एवं पेंटिंग में भी रुचि रखती है।
4) उमा साहसी एवं वाक्पटु है। वह गोपाल प्रसाद की बातों का जवाब देकर निरुत्तर कर देती है।

(ग) 'चीफ़ की दावत' कहानी में शामनाथ पदोन्नति पाने की लालसा में चीफ़ को दावत पर आमंत्रित करता है। क्या इस प्रकार के कार्य वर्तमान समय में भी दिखाई देते हैं? अपने विचार व्यक्त कीजिए।

उत्तर - 'चीफ़ की दावत' में शामनाथ के द्वारा पदोन्नति पाने की लालसा में चीफ को दावत पर बुलाने जैसा व्यवहार आज के समय में भी अत्यधिक दिखाई देता है। वर्तमान में भी लोग अपने स्वार्थ और पेशेवर लक्ष्यों को पूरा करने के लिए दिखावा करते हैं, दिखावटी आधुनिकता अपनाते हैं और परिवार के वास्तविक मूल्यों को नजरअंदाज कर देते हैं, जैसा कि 'चीफ़ की दावत' कहानी में बताया गया है।

31. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

आज के युग में मानव का प्रचार-प्रसार का दायरा व्यापक हो चुका है। अतः विज्ञापनों का होना अनिवार्य हो जाता है। किसी अच्छी वस्तु की वास्तविकता से परिचय पाना आज के विशाल संसार में विज्ञापन के बिना असंभव है। विज्ञापन ही वह शक्तिशाली माध्यम है, जो हमारी जरूरत की वस्तुएँ प्रस्तुत करता है, उनकी माँग बढ़ाता है और अंततः हम उन्हें जुटाने चल पड़ते हैं। कोई व्यक्ति या कंपनी जो किसी वस्तु का निर्माण करती है, उसे उत्पादक कहा जाता है। उन वस्तुओं और सेवाओं को खरीदनेवाला उपभोक्ता कहलाता है। विज्ञापन इन दोनों को जोड़ने का कार्य करता है। वह उत्पादक को उपभोक्ता के संपर्क में लाता है तथा माँग और पूर्ति में संतुलन स्थापित करने का प्रयत्न करता है। पुराने जमाने में किसी वस्तु की अच्छाई का विज्ञापन मौखिक तरीके से होता था। उस समय आवश्यकता भी कम होती थी तथा लोग किसी वस्तु के अभाव की तीव्रता का अनुभव नहीं करते थे। आज संचार क्रांति ने जिंदगी को गति दे दी है। मनुष्य की आवश्यकताएँ बढ़ती जा रही हैं। इसीलिए विज्ञापन मानव-जीवन की अनिवार्यता बन गए हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(क) विज्ञापन मानव-जीवन के लिए क्यों अनिवार्य हैं?

उत्तर - विज्ञापन हमारी आवश्यक वस्तुओं से परिचय कराते हैं, उनकी माँग बढ़ाते हैं और उपभोक्ता व उत्पादक को जोड़ते हैं।

(ख) उत्पादक और उपभोक्ता के बीच के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - वस्तु या सेवा का निर्माण करने वाला उत्पादक कहलाता है, जबकि उन वस्तुओं या सेवाओं को खरीदने वाला उपभोक्ता कहलाता है।

(ग) प्राचीनकाल में प्रचार-प्रसार का क्या तरीका था?

उत्तर - प्राचीनकाल में वस्तुओं की अच्छाई का प्रचार-प्रसार मौखिक तरीके से किया जाता था।

(घ) प्रचार-प्रसार के साधनों ने विज्ञापनों को किस प्रकार प्रभावित किया है? लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।

उत्तर - संचार क्रांति और आधुनिक प्रचार-प्रसार ने विज्ञापनों को अधिक प्रभावी, व्यापक और अनिवार्य बना दिया है।

(ङ) विज्ञापनों का क्या उद्देश्य है?

उत्तर - विज्ञापनों का उद्देश्य उत्पादक और उपभोक्ता को जोड़ना, वस्तुओं की माँग बढ़ाना तथा पूर्ति में संतुलन स्थापित करना है।

32. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए :

(क) नेमी टिप्पण किसे कहते हैं? ये किस प्रयोजन से लिखे जाते हैं?

उत्तर - नेमी टिप्पण वे टिप्पणियाँ हैं जो सामयिक और रोज़मर्रा के कार्यों से संबंधित होती हैं, जैसे- अनुमोदन के लिए प्रस्तुत है, आवश्यक कार्रवाई कर दी गई है आदि। इसे निम्नलिखित प्रयोजनों से लिखा जाता है-

- सामान्य विचार-विमर्श और चर्चाओं से संबंधित टिप्पण।
- छोटी-मोटी बातों के स्पष्टीकरण के लिए टिप्पण।
- कार्यों के निपटारे को सरल और त्वरित बनाना।
- अधिकारियों को निर्णय लेने और विचार-विमर्श में सुविधा प्रदान करना आदि।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ख) आपने अपना घर समान क्षेत्र में एक ब्लॉक से दूसरे ब्लॉक में लिया है। पुराने पते पर आने वाली डाक को नए पते पर देने का अनुरोध करते हुए डाकपाल महोदय को पत्र लिखिए।

उत्तर -

ब्लॉक-बी, सेक्टर-5

विकास नगर

नई दिल्ली – 1100XX

दिनांक - 01 नवम्बर 2025

सेवा में

डाकपाल महोदय,

मुख्य डाकघर,

दिल्ली - 1100XX

विषय : पुराने पते पर आने वाली डाक नए पते पर भिजवाने हेतु निवेदन।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं पहले **ब्लॉक-ए,** सेक्टर-5, विकास नगर में निवास करती थी। हाल ही में मैंने अपना निवास स्थान बदलकर **ब्लॉक-बी**, सेक्टर-5 में ले लिया है। मेरे पुराने पते पर अब भी मेरे नाम की डाक आती रहती है। अतः आपसे विनम्र अनुरोध है कि कृपया मेरी समस्त डाक को मेरे नए पते पर प्रेषित करने की कृपा करें।

आपकी अति कृपा होगी।

भवदीया,

(हस्ताक्षर) किरण शर्मा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

33. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए :

(क) प्रयोजनमूलक भाषा और प्रयुक्ति से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - प्रयोजनमूलक भाषा वह भाषा है जिसका प्रयोग किसी विशेष उद्देश्य या कार्य की पूर्ति के लिए किया जाता है। इसका उपयोग प्रशासन, बैंक, विधि, वाणिज्य, पत्रकारिता आदि क्षेत्रों में होता है। प्रयुक्ति का अर्थ है परिस्थिति, विषय और भूमिका के अनुसार भाषा के प्रयोग में होने वाला अंतर, जैसे विभिन्न पेशों में भाषा का अलग प्रयोग।

(ख) सामान्य व्यवहार या बोलचाल की हिन्दी की तीन विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर - सामान्य व्यवहार या बोलचाल की हिंदी की तीन विशेषताएँ इस प्रकार हैं -

- **दैनिक जीवन में प्रयोग -** बोलचाल की हिन्दी घर, बाज़ार और सामाजिक संपर्क में सामान्य बातचीत के लिए प्रयुक्त होती है।
- **सरल और लचीली भाषा -** इसमें कठोर व्याकरणिक नियमों का पालन अनिवार्य नहीं होता।
- **क्षेत्रीय विविधता -** यह अलग-अलग क्षेत्रों में विभिन्न रूपों में बोली जाती है, जैसे बंबइया, दिल्ली की या कोलकाता की हिन्दी।

34. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए :

(क) विकास कार्यक्रमों के प्रचार-प्रसार में संचार माध्यमों की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - विकास कार्यक्रमों के प्रचार-प्रसार में संचार माध्यमों की भूमिका निम्न है -

- **जानकारी का प्रसार –** संचार माध्यम सरकार द्वारा चलाई जा रही विकास योजनाओं की सही और समय पर जानकारी जनता तक पहुँचाते हैं।
- **जागरूकता निर्माण –** शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, रोजगार और गरीबी उन्मूलन जैसे विषयों पर लोगों को जागरूक करते हैं।
- **जनसहभागिता बढ़ाना –** जनता को योजनाओं से जोड़कर उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हैं।
- **सकारात्मक वातावरण बनाना –** योजनाओं के लाभ दिखाकर लोगों में विश्वास और आशा का वातावरण तैयार करते हैं।

(ख) संचार के मुद्रित माध्यम कौन-कौन से हैं? पर्वतीय क्षेत्रों में होने वाली बर्फ़बारी को आधार बनाकर एक समाचार लिखिए।

उत्तर - संचार के मुद्रित माध्यम वे साधन हैं जिनके द्वारा लिखित रूप में संदेश, विचार और सूचनाएँ लोगों तक पहुँचाई जाती हैं। इनके प्रमुख उदाहरण- समाचार-पत्र (अख़बार), पत्रिकाएँ, पुस्तकें, पोस्टर व पैम्पलेट पत्र (चिट्ठियाँ)आदि।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

समाचार (पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फ़बारी पर)

शीर्षक : भारी बर्फ़बारी से जनजीवन ठप, पर्यटक उत्साहित

स्थान : शिमला, 2 सितम्बर

पर्वतीय क्षेत्रों में लगातार हो रही बर्फ़बारी से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। सड़कों पर बर्फ़ जमने से यातायात बाधित हुआ है और कई गाँवों का संपर्क टूट गया है। ठंड बढ़ने से लोग घरों में रहने को मजबूर हैं। हालांकि, पर्यटकों में बर्फ़बारी को लेकर उत्साह बना हुआ है। प्रशासन ने सावधानी बरतने की अपील की है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

SET - B

दिए गए पाठ्यक्रम पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :

1. सुभद्राकुमारी चौहान के अनुसार स्त्री और पुरुष के व्यक्तित्व को अलग-अलग मानने का आधार है :

(A) दोनों की शारीरिक संरचना

(B) दोनों का बाहरी परिवेश

(C) दोनों की स्वतंत्र इच्छा-शक्ति

(D) दोनों के भीतर स्वतंत्र आत्मा

उत्तर - (D) दोनों के भीतर स्वतंत्र आत्मा

2. सुभद्राकुमारी चौहान पाठ के आधार पर नारी वीरत्व धर्म किसलिए अपनाती है?

(A) सृष्टि के कल्याण के लिए

(B) अहंकार की पूर्ति के लिए

(C) राग-द्वेष की पूर्ति के लिए

(D) निजी स्वार्थ की पूर्ति के लिए

उत्तर - (A) सृष्टि के कल्याण के लिए

3. सुभद्राकुमारी चौहान विपरीत परिस्थितियों में भी घर और बाहर के बीच संतुलन कैसे स्थापित कर पाईं?

(A) पारिवारिक सहयोग से

(B) सुदृढ़ आर्थिक स्थिति के कारण

(C) परिस्थितियों से समझौता करके

(D) दृढ़-निश्चय और मानसिक धैर्य से

उत्तर - (D) दृढ़-निश्चय और मानसिक धैर्य से

4. 'कुटज' पाठ के अनुसार अबोध कौन है?

(A) दूसरे का उपकार करने वाला

(B) दूसरे का अपकार करने वाला

(C) सांसारिक ज्ञान को नहीं समझने वाला

(D) मानसिक बल कम रखने वाला

उत्तर - (C) सांसारिक ज्ञान को नहीं समझने वाला

5. 'कुटज' की तुलना राजा जनक से क्यों की गई है?

(A) मन पर नियंत्रण रखने के कारण

(B) फूलों से लदा रहने के कारण

(C) दूसरों के हृदय-परिवर्तन करने की कला के कारण

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(D) शुष्क वातावरण में भी हरा-भरा रहने के कारण

उत्तर - (A) मन पर नियंत्रण रखने के कारण

6. 'कुटज' पाठ के अनुसार सुख और दुख क्या हैं?

(A) नदी के दो किनारे

(B) मन के विकल्प

(C) जीवन के दो पहर

(D) सुबह और शाम

उत्तर - (B) मन के विकल्प

7. 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ के अनुसार, साहित्यिक वयोवृद्ध मोटा चश्मा लगाकर क्या करते थे?

(A) किताबें पढ़ते थे

(B) चाँद को देखते थे

(C) नई पीढ़ी को ताकते थे

(D) सड़क पर चलते थे

उत्तर - (B) चाँद को देखते थे

8. 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ में तरुणों ने वयोवृद्धों के लिए 'अर्थ' का क्या प्रबंध किया?

(A) उन्हें अंशकालिक काम दिलवा दिया

(B) उन्हें मंदिर में काम दिलवा दिया

(C) उन्हें रॉयल्टी दिलवाने का प्रबंध कर दिया

(D) उन्हें देवता बनाकर मंदिर में बैठा दिया

उत्तर - (C) उन्हें रॉयल्टी दिलवाने का प्रबंध कर दिया

9. 'चीफ़ की दावत' कहानी के आधार पर माँ चीफ के लिए फुलकारी बनाने के लिए तैयार हो जाती है, क्योंकि-

(A) इससे बेटे की तरक्की होगी

(B) वह इस कला में कुशल थी

(C) वह बेटे से भयभीत रहती थी

(D) वह अपनी कला का प्रदर्शन चाहती थी

उत्तर - (A) इससे बेटे की तरक्की होगी

10. 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के पात्र गोपाल प्रसाद के व्यक्तित्व के विषय में निम्नलिखित में से क्या असत्य है?

(A) वे महिलाओं की उच्च शिक्षा के विरोधी थे

(B) वे वैवाहिक संबंध को व्यापार मानते थे

(C) वे पुरुषवादी मानसिकता के शिकार थे

(D) वे बच्चों की स्वतंत्रता के पक्षधर थे

उत्तर - (D) वे बच्चों की स्वतंत्रता के पक्षधर थे

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

11. अच्छे पत्र का गुण नहीं है-

(A) सरलता | **(B) संक्षिप्तता**

(C) सहजता | **(D) जटिलता**

उत्तर - (D) जटिलता

12. "मैं यूनिवर्सिटी कैम्पस में खड़ा हूँ।" वाक्य बोलचाल की हिन्दी भाषा के किस प्रयुक्ति-क्षेत्र के अंतर्गत आता है?

(A) बंबइया हिन्दी | **(B) दिल्ली की हिन्दी**

(C) हैदराबाद की हिन्दी | **(D) ऐंग्लो हिन्दी**

उत्तर - (D) ऐंग्लो हिन्दी

13. 'भरत का भ्रातृप्रेम' प्रसंग के आधार पर लिखिए कि राम को सम्मुख देख भरत की आँखें भर गईं-

(A) करुणा से | **(B) प्रेम के आँसुओं से**

(C) दर्द के कारण | **(D) पश्चात्ताप के आँसुओं से**

उत्तर - (B) प्रेम के आँसुओं से

14. 'भरत का भ्रातृप्रेम' से उद्धृत पंक्ति 'कबहूँ न कीन्ह मोर मन भंगू' के आधार पर लिखिए कि किसने किसका मन नहीं दुखाया?

(A) भरत ने राम का | **(B) राम ने भरत का**

(C) कैकयी ने राम का | **(D) कैकयी ने भरत का**

उत्तर - (B) राम ने भरत का

15. निम्नलिखित में से किस पंक्ति में रूपक अलंकार है?

(A) सुनि मुनि वचन राम रुख पाई | **(B) मातु मंदि मैं साधु सुचाली**

(C) मोर अभाग उदधि अवगाहू | **(D) जारिऊँ जायँ जननि कहि काकू**

उत्तर - (C) मोर अभाग उदधि अवगाहू

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

16. मीरा के पद के आधार पर लिखिए कि श्रीकृष्ण को मोल लेने के लिए मीरा ने कौन-सी कीमत नहीं चुकाई?

(A) लोक अपवाद **(B) सगे-संबंधियों की भर्त्सना**

(C) धन-संपत्ति **(D) पारिवारिक लांछन**

उत्तर - (C) धन-संपत्ति

17. पद्माकर रचित पद में किस रस की प्रधानता है?

(A) वात्सल्य **(B) श्रृंगार**

(C) वीर **(D) भयानक**

उत्तर - (B) श्रृंगार

18. 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' कविता के संदर्भ में निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

कथन : सुख के बीते पलों के साथ दुख के वर्तमान दिनों को जोड़ देने से मन व्यथित हो जाता है।

कारण : व्यक्ति को ऐसा लगता है कि जो खुशी के पल बीत चुके हैं वे दोबारा वापस नहीं आ सकते।

(A) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं।

(B) कारण सही है लेकिन कथन गलत है।

(C) कथन सही है लेकिन कारण कथन की गलत व्याख्या है।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

उत्तर - (D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

19. कॉलम (1) को कॉलम (2) से सुमेलित कीजिए और उचित विकल्प चुनकर लिखिए :

कॉलम (1)	कॉलम (2)
(i) मशाल	(1) दमनकारी सत्ता
(ii) भेड़िये	(2) आम-आदमी
(iii) तुम	(3) सामूहिक चेतना

विकल्प :

(A) (i)-(3), (ii)-(1), (iii)-(2) **(B) (i)-(1), (ii)-(3), (iii)-(2)**

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(C) (i)-(2), (ii)-(1), (iii)-(3) **(D) (i)-(3), (ii)-(2), (iii)-(1)**

उत्तर - (A) (i)-(3), (ii)-(1), (iii)-(2)

20. 'संयुक्त परिवार' कविता का कवि अतिथि के घर से बिना मिले ही लौट जाने से परेशान क्यों है?

(A) कवि मेल-मिलाप में विश्वास रखता है

(B) अतिथि उसका परिचित था

(C) आगंतुक के आने का कारण वह नहीं जान सका

(D) आगंतुक की आवभगत से वह वंचित रह गया

उत्तर - (C) आगंतुक के आने का कारण वह नहीं जान सका

21. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही/गलत में दीजिए :

(क) ब्लॉगर द्वारा अपने ब्लॉग को मैनेज और अपडेट करने की प्रक्रिया ब्लॉगिंग कहलाती है।

(ख) जनसंचार माध्यम सामाजिक बुराइयों को फैलाते हैं।

(ग) लेखाकरण प्रणाली द्वारा सभी वित्तीय कार्य-व्यापार लेखा बहियों में रिकार्ड कर लिए जाते हैं।

उत्तर -

(क) ब्लॉगर द्वारा अपने ब्लॉग को मैनेज और अपडेट करने की प्रक्रिया ब्लॉगिंग कहलाती है। **(सही)**

(ख) जनसंचार माध्यम सामाजिक बुराइयों को फैलाते हैं। **(गलत)**

(ग) लेखाकरण प्रणाली द्वारा सभी वित्तीय कार्य-व्यापार लेखा बहियों में रिकार्ड कर लिए जाते हैं। **(सही)**

22. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 1 शब्द या 1 वाक्य में दीजिए :

(क) 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी में समाज की किस समस्या को प्रस्तुत किया गया है?

उत्तर - लड़की विवाह की परंपराओं और पुरुषप्रधान मानसिकता।

(ख) 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ के आधार पर लिखिए कि पुरानी पीढ़ी के द्वारा युवा पीढ़ी को अधिकार न सौंपने से समाज को क्या नुकसान होता है?

उत्तर - पुरानी पीढ़ी द्वारा अधिकार न सौंपने से समाज की प्रगति रुक जाती है।

(ग) 'चीफ़ की दावत' कहानी के लेखक का नाम लिखिए।

उत्तर - भीष्म साहनी

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

23. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए :

इन सींखचों में जहाँ से कोई निकल सकता और कोई प्रवेश नहीं कर सकता। एक पतली-सी सूरज की किरण को छोड़कर जो संसार को सुखभरी नींद से जगाती है; लोग-बाग अँगड़ाइयाँ लेते, ओठों पर मुस्कान लिए उठते हैं, किरण जो औरों के लिए आशा का संदेश लिए आती है। इन अभागों के लिए जो यहाँ अंडमान में काला पानी भोग रहे थे, सुबह कभी कोई आशा का संदेश नहीं लाई और शाम आई तो वह भी डरती-डरती उनको कोठरियों की दहलीज पर एक स्वप्न मात्र रख गई-आज़ादी का स्वप्न, जिसे उन्होंने बरसों देखा, सँजोकर रखा। आखिर इस स्वप्न के लिए ही तो उन्होंने सजाएँ भोगी थीं। उनका जुर्म, अपराध क्या था? उन्होंने स्वप्न देखा था। और वे उसे असलियत में परिणत करना चाहते थे?

(क) गद्यांश के लेखक हैं :

(A) श्रीकांत वर्मा **(B) रामकुमार वर्मा**

(C) महादेवी वर्मा **(D) भीष्म साहनी**

उत्तर - (A) श्रीकांत वर्मा

(ख) गद्यांश के पाठ का नाम है :

(A) सुभद्राकुमारी चौहान **(B) जिजीविषा की विजय**

(C) कुटज **(D) अंडमान डायरी**

उत्तर - (D) अंडमान डायरी

(ग) "इन सींखचों में जहाँ से कोई नहीं निकल सकता।" कथन में 'जहाँ' शब्द प्रयुक्त हुआ है :

(A) अंडमान द्वीपसमूहों के लिए **(B) जेल के फाँसीघरों के लिए**

(C) जेल की तंग काल-कोठरियों के लिए **(D) अंग्रेजों की कैद के लिए**

उत्तर - (C) जेल की तंग काल-कोठरियों के लिए

(घ) सुबह की पहली किरण आम आदमियों के लिए कौन-सा संदेश लेकर नहीं आती?

(A) आशा का **(B) निराशा का**

(C) सुख का **(D) खुशहाली का**

उत्तर - (B) निराशा का

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ङ) गद्यांश में प्रयुक्त 'परिणत' शब्द का अर्थ है :

(A) बदलना **(B) भोगना**

(C) सहना **(D) रहना**

उत्तर - (A) बदलना

(च) सेनानियों ने किसलिए यातनाएँ सहीं?

(A) स्वतंत्र हवा में साँस लेने के लिए **(B) अंग्रेजों के विरुद्ध एकजुट होने के लिए**

(C) सुख-सुविधा प्राप्त करने के लिए **(D) अंग्रेजों का साथ न देने के लिए**

उत्तर - (A) स्वतंत्र हवा में साँस लेने के लिए

(छ) गद्यांश में प्रयुक्त 'दहलीज' का शब्दार्थ नहीं है :

(A) ड्योढ़ी **(B) चौखट**

(C) देहरी **(D) मर्यादा**

उत्तर - (D) मर्यादा

24. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

वैराग्य छोड़ बाँहों की विभा सँभालो,

चट्टानों की छाती से दूध निकालो।

है रुकी जहाँ भी धार, शिलाएँ तोड़ो,

पीयूष चंद्रमाओं को पकड़ निचोड़ो।

चढ़ तुंग शैल-शिखरों पर सोम पियो रे!

योगियों नहीं, विजयी के सदृश जियो रे!

(क) 'बाँहों की विभा' से तात्पर्य नहीं है -

(A) भुजाओं की शक्ति **(B) भुजाओं का सौंदर्य**

(C) भुजाओं का बल **(D) भुजाओं का सौष्ठव**

उत्तर - (A) भुजाओं की शक्ति

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ख) 'चट्टानों की छाती से दूध निकालो' का आशय है :

(A) पत्थरों से पानी निकालना

(B) पहाड़ों से नदी निकालना

(C) पहाड़ों पर पताका फहराना

(D) विपरीत परिस्थितियों में विजय पाना

उत्तर - (D) विपरीत परिस्थितियों में विजय पाना

(ग) काव्यांश में प्रयुक्त 'तुंग' शब्द का अर्थ है :

(A) ऊँचा

(B) ऊबड़-खाबड़

(C) संकरा

(D) सपाट

उत्तर - (A) ऊँचा

(घ) 'सोम' शब्द का पर्यायवाची नहीं है :

(A) अमृत

(B) सुधा

(C) गरल

(D) पीयूष

उत्तर - (C) गरल

(ङ) काव्यांश के माध्यम से देशवासियों में कौन-सा भाव जाग्रत् किया गया है?

(A) वीरता

(B) वैराग्य

(C) कायरता

(D) आलस्य

उत्तर - (A) वीरता

(च) 'है रुकी जहाँ भी धार' प्रतीकार्थ है :

(A) पानी की धारा का

(B) मार्ग की बाधाओं का

(C) विचारों की गंगाओं का

(D) मार्ग की शिलाओं का

उत्तर - (B) मार्ग की बाधाओं का

(छ) 'चंद्रमाओं से पीयूष प्राप्त करने' से अभिप्राय है :

(A) अमृत प्राप्त करना

(B) रोशनी प्राप्त करना

(C) चंद्रमा का रहस्य जानना

(D) लक्ष्य पा लेना

उत्तर - (D) लक्ष्य पा लेना

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

25. निम्नलिखित व्याकरण-संबंधी प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) विलोम शब्द लिखिए :

कायरता; विक्रेता।

उत्तर - विलोम शब्द :

कायरता - साहस / वीरता

विक्रेता - ग्राहक

(ख) उपसर्ग/प्रत्यय अलग कीजिए :

आक्रोश; सामाजिक।

उत्तर - उपसर्ग व प्रत्यय :

आक्रोश - आ : उपसर्ग

सामाजिक - इक : प्रत्यय

(ग) निम्नलिखित वाक्य में विराम-चिह्न लगाकर वाक्य पुनः लिखिए :

बड़ों को जवाब देना प्रायः अशिष्टता का सूचक माना जाता है उन्होंने कहा

उत्तर - "बड़ों को जवाब देना प्रायः अशिष्टता का सूचक माना जाता है", उन्होंने कहा।

(घ) निम्नलिखित वाक्यों को जोड़कर एक सरल वाक्य बनाइए :

(i) एकांकी नाटक का एक भेद है।

(ii) इसमें केवल एक ही अंक होता है।

उत्तर - एकांकी नाटक का वह भेद है जिसमें केवल एक ही अंक होता है।

(ङ) निम्नलिखित को कर्मवाच्य में बदलिए :

युधिष्ठिर ने यक्ष के प्रश्न का उत्तर दिया।

उत्तर - यक्ष के प्रश्न का उत्तर युधिष्ठिर द्वारा दिया गया।

(च) निम्नलिखित का शुद्ध रूप (वर्तनी) लिखिए :

सर्वव्यापत; आशचर्यचकित।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर - **शुद्ध रूप :**

सर्वव्यापत - सर्वव्याप्त

आशचर्यचकित - आश्चर्यचकित

(छ) 'शाक-सब्जी' पद का विग्रह करते हुए समास का नाम भी लिखिए।

उत्तर - **विग्रह सहित समास का नाम :**

शाक-सब्जी - शाक और सब्जी (द्वंद्व समास)

(ज) संधि-विच्छेद कीजिए :

इच्छानुसार; तथैव।

उत्तर -

इच्छानुसार = इच्छा + अनुसार

तथैव = तथा + एव

(झ) 'जले पर नमक छिड़कना' मुहावरे का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उसका अर्थ स्पष्ट हो जाए।

उत्तर - अरे तुमने काम ही ऐसा किया है, जो कि जले पर नमक छिड़कने वाला है।

(ञ) 'ईन' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए।

उत्तर - **'ईन' प्रत्यय से शब्द :**

1) ग्रामीण (ग्राम + ईन)
2) रंगीन (रंग + ईन)

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

26. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए :

(क) 'सूरदास' द्वारा रचित पद के आधार पर श्रीकृष्ण के बालरूप का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर - श्रीकृष्ण के कपोल (गाल) सुंदर तथा नेत्र चंचल हैं। ललाट (माथे) पर गोरोचन (सफेद चन्दन) का तिलक लगा है। बालकृष्ण के बाल घुंघराले हैं। जब वह घुटनों के बल माखन लिए हुए चलते हैं तब घुंघराले बालों की लटें उनके कपोल पर झूमने लगती है, जिससे ऐसा प्रतीत होता है मानो भ्रमर मधुर रस का पान कर मतवाले हो गए हैं। उनके गले में कठुले व सिंहनख से उनका सौन्दर्य और अधिक बढ़ गया है।

(ख) 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' कविता के कवि की विवशता का वर्णन कीजिए।

उत्तर - कवि को अपनी यादों में सुखद और दुखद दोनों तरह के अनुभव दिखाई देते हैं, जिससे वह असमंजस में है कि क्या याद करे और क्या भूल जाए। कवि चाहता है कि वह इन यादों के बोझ से मुक्त हो जाए और एक नई शुरुआत करे, जहाँ वह केवल वर्तमान में जी सके। कवि अपनी यादों के साथ अकेला है, और इसलिए वह उनसे दूर होना चाहता है ताकि वह जीवन में आगे बढ़ सकें और एक नया जीवन जी सके।

(ग) कवि दुष्यंत कुमार दीवारों की जगह बुनियाद हिलने के पक्षधर क्यों हैं? 'ग़ज़ल' के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - कवि दुष्यंत कुमार दीवारों की जगह बुनियाद हिलने के पक्षधर हैं क्योंकि दीवारें केवल सतही समस्याओं का प्रतीक हैं, जिनके हिलने से स्थायी परिवर्तन संभव नहीं होता। वास्तविक परिवर्तन तभी आएगा जब शोषण, अन्याय, असमानता और भेदभाव जैसी सामाजिक बुराइयों की जड़ें नष्ट हों। इसलिए कवि लोगों को संघर्ष के लिए प्रेरित करता है और समाज से इन बुनियादी कारणों को जड़ से मिटाने का आह्वान करता है।

27. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

माई री म्हां लियाँ गोविन्दाँ मोल।
थे कह्यां छाणे म्हां कां चोड़्डे, लियाँ बजन्ता ढोल।
थे कह्यां मुंहोधो म्हां कह्या सस्तो, लिया री तराजां तोल।
तण वारां म्हां जीवण वारां, वारां अमोलक मोल।
मीराँ कूं प्रभु दरसण दीज्याँ, पूरब जनम को कोल।।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर -

माई री म्हां..............जनम को कोल॥

प्रसंग : प्रस्तुत पंक्तियाँ "मीराँबाई" के पद से संकलित है। प्रस्तुत पद में मीराँ ने कृष्ण के साथ अपने प्रेम-संबंध की घोषणा अत्यंत साहस और दृढ़ता से की है।

व्याख्या : मीराँ कहती हैं कि हे सखी! तुम कहती हो कि मैं उनसे यह संबंध छिपाकर रखती हूँ और मैं कहती हूँ कि मैंने खुले में ढोल बजा कर श्रीकृष्ण को मोल लिया है अर्थात् उन्हें खुले आम अपना लिया है। मुझे उनसे प्रेम है और मैं सार्वजनिक तौर पर इस प्रेम की घोषणा करती हूँ। मीराँ आगे कहती हैं कि हे सखी, तुम कहती हो कि यह सौदा मँहगा है पर मेरा मानना है कि यह बहुत सस्ता है; क्योंकि मैंने यह सौदा तराजू पर तौलकर किया है अर्थात् मैंने पूर्ण रूप से सोच-विचार कर, जाँच-परख कर ही ऐसा किया है और इसका जो मूल्य मैंने चुकाया है (लोक अपवाद, कुल-संबंधियों से मिलने वाली भर्त्सना और लांछना आदि) वह तुम्हारी दृष्टि में अधिक हो सकता है, पर मेरी दृष्टि में श्रीकृष्ण को पाने के लाभ की तुलना में अपयश बहुत कम है। मैंने तो उन पर अपना तन-मन और जीवन सभी कुछ न्योछावर कर दिया है। दूसरा अर्थ यह भी हो सकता है कि मैंनेअपना सब कुछ, जो अमूल्य था, कीमत के रूप में श्रीकृष्ण पर न्योछावर कर दिया। इसके बाद मीराँ पूर्व जन्म में दिए गए वचन का स्मरण कराते हुए श्रीकृष्ण से दर्शन देने की प्रार्थना करती हैं।

विशेष :

1. ब्रजभाषा, राजस्थानी भाषा का प्रयोग किया गया है।
2. मुहावरे का प्रयोग किया गया है।
3. पद में गेयता है।
4. पद में लयात्मकता है।

अथवा

नक्शे में जंगल हैं पेड़ नहीं
नक्शे में नदियाँ हैं पानी नहीं
नक्शे में पहाड़ हैं पत्थर नहीं
नक्शे में देश है लोग नहीं
समझ ही गए होंगे आप कि हम सब
एक नक्शे में रहते हैं
हमारी पैंटों और चप्पलों से लेकर
वल्दियत और चोटों के निशान
नब्ज रक्तचाप और तापमान
स्वप्न और स्मृतियों सहित नप चुके हैं
और नक्शे तैयार हैं

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर –

नक्शे में जंगल..............नक्शे तैयार हैं

प्रसंग : प्रस्तुत पंक्तियाँ **"नरेश सक्सेना"** द्वारा रचित कविता '**नक्शे**' से अवतरित है। यह कविता हमारे समाज, पर्यावरण और मानवता की वास्तविक स्थिति पर गहरी टिप्पणी करती है।

व्याख्या : कवि **नरेश सक्सेना** की कविता '**नक्शे**' में बताया गया है कि नक्शे किसी स्थान का भौगोलिक विवरण दिखा सकते हैं, लेकिन उसकी असली सुंदरता, जीवन और जीवंतता नहीं। नक्शों में जंगल हैं, पर पेड़ नहीं; नदियाँ हैं, पर पानी नहीं; पहाड़ हैं, पर पत्थर नहीं; और देश हैं, पर लोगों की पहचान नहीं। यह आधुनिकता और शहरीकरण के कारण प्राकृतिक संसाधनों के शोषण और मानवीयता की कमी को दर्शाता है।

कवि आगे कहते हैं कि जीवन की छोटी चीज़ें- पैंट, चप्पल, चोट के निशान, यादें, शरीर की स्थिति भी नक्शों में समा गई हैं। **'वल्दियत'** से वह सब दर्शाते हैं जो हमें पुरखों और परंपराओं से मिली, पर अब वस्तु बनकर नक्शे का हिस्सा बन गई है। सपने और यादें भी हमारी नहीं रहीं। पर्यावरण और प्रकृति इतना बिगड़ चुका है कि उसका असली रूप खो गया है, जबकि नक्शों में सब कुछ साफ़-सुथरा और सुंदर दिखता है।

विशेष :

1. नक्शा इस पूँजीवादी व्यवस्था द्वारा तैयार की गई उन तमाम योजनाओं का प्रतीक हैं, जिसमें आम लोगों और देशों को शामिल होने के लिए मज़बूर किया जाता है।
2. व्यक्ति, प्रकृति, संवेदना और मानवीयता के लिए कोई जगह नहीं है।
3. कविता में एक खास तरह की नाटकीयता हैं।

28. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

आज की दुनिया विचित्र नवीन
प्रकृति पर सर्वत्र विजयी पुरुष आसीन।
हैं बँधे नर के करों में वारि, विद्युत, भाप,
हुक्म पर चढ़ता उतरता है पवन का ताप।
है नहीं बाकी कहीं व्यवधान,
लाँघ सकता नर सरिता, सिंधु एक समान।
शीश पर आदेश कर अवधार्य
प्रकृति के सब तत्त्व करते हैं मनुज के कार्य,
मानते हैं हुक्म मानव का महा वरुणेश,
और करता शब्दगुण अंबर वहन संदेश।
नव्य नर की मुष्टि में विकराल,
हैं सिमटते जा रहे दिक्काल।
यह प्रकृति निस्सीम नर का यह अपूर्व विकास।
चरण तल भूगोल मुट्ठी में लिखित आकाश।
किन्तु है बढ़ता गया मस्तिष्क ही निःशेष;
छूटकर पीछे गया है रह हृदय का देश।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(क) काव्यांश में आज की दुनिया को विचित्र और नवीन क्यों कहा गया है?

उत्तर - काव्यांश में आज की दुनिया को विचित्र और नवीन इसलिए कहा गया है क्योंकि मनुष्य ने विज्ञान और तकनीक से प्रकृति पर विजय पा ली है।

(ख) मनुष्य के आदेशों को अपने सिर पर कौन धारण करता है?

उत्तर - मनुष्य के आदेशों को अपने सिर पर प्रकृति के सभी तत्त्व धारण करते हैं।

(ग) मनुष्य द्वारा धरती और आकाश को नापने के बाद भी क्या शेष रह गया है?

उत्तर - मनुष्य द्वारा धरती और आकाश को नापने के बाद भी हृदय का देश शेष रह गया है।

(घ) मनुष्य के हाथों में कौन-कौन बँधे हैं?

उत्तर - मनुष्य के हाथों में जल (वारि), बिजली (विद्युत) और भाप बँधे हैं।

(ङ) क्या मानव द्वारा प्राप्त इस प्रगति को आप वास्तविक प्रगति मानते हैं? 15-20 शब्दों में उत्तर दीजिए।

उत्तर - नहीं, यह वास्तविक प्रगति नहीं है क्योंकि इसमें मनुष्य की भावनाओं और हृदय की संवेदनाएँ पीछे छूट गई हैं।

29. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

आज के युग में मानव का प्रचार-प्रसार का दायरा व्यापक हो चुका है। अतः विज्ञापनों का होना अनिवार्य हो जाता है। किसी अच्छी वस्तु की वास्तविकता से परिचय पाना आज के विशाल संसार में विज्ञापन के बिना असंभव है। विज्ञापन ही वह शक्तिशाली माध्यम है, जो हमारी जरूरत की वस्तुएँ प्रस्तुत करता है, उनकी माँग बढ़ाता है और अंततः हम उन्हें जुटाने चल पड़ते हैं। कोई व्यक्ति या कंपनी जो किसी वस्तु का निर्माण करती है, उसे उत्पादक कहा जाता है। उन वस्तुओं और सेवाओं को खरीदनेवाला उपभोक्ता कहलाता है। विज्ञापन इन दोनों को जोड़ने का कार्य करता है। वह उत्पादक को उपभोक्ता के संपर्क में लाता है तथा माँग और पूर्ति में संतुलन स्थापित करने का प्रयत्न करता है। पुराने जमाने में किसी वस्तु की अच्छाई का विज्ञापन मौखिक तरीके से होता था। उस समय आवश्यकता भी कम होती थी तथा लोग किसी वस्तु के अभाव की तीव्रता का अनुभव नहीं करते थे। आज संचार क्रांति ने जिंदगी को गति दे दी है। मनुष्य की आवश्यकताएँ बढ़ती जा रही हैं। इसीलिए विज्ञापन मानव-जीवन की अनिवार्यता बन गए हैं।

(क) विज्ञापन मानव-जीवन के लिए क्यों अनिवार्य हैं?

उत्तर - विज्ञापन हमारी आवश्यक वस्तुओं से परिचय कराते हैं, उनकी माँग बढ़ाते हैं और उपभोक्ता व उत्पादक को जोड़ते हैं।

(ख) उत्पादक और उपभोक्ता के बीच के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - वस्तु या सेवा का निर्माण करने वाला उत्पादक कहलाता है, जबकि उन वस्तुओं या सेवाओं को खरीदने वाला उपभोक्ता कहलाता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ग) प्राचीनकाल में प्रचार-प्रसार का क्या तरीका था?

उत्तर - प्राचीनकाल में वस्तुओं की अच्छाई का प्रचार-प्रसार मौखिक तरीके से किया जाता था।

(घ) प्रचार-प्रसार के साधनों ने विज्ञापनों को किस प्रकार प्रभावित किया है? लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।

उत्तर - संचार क्रांति और आधुनिक प्रचार-प्रसार ने विज्ञापनों को अधिक प्रभावी, व्यापक और अनिवार्य बना दिया है।

(ङ) विज्ञापनों का क्या उद्देश्य है?

उत्तर - विज्ञापनों का उद्देश्य उत्पादक और उपभोक्ता को जोड़ना, वस्तुओं की माँग बढ़ाना तथा पूर्ति में संतुलन स्थापित करना है।

30. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) हमारे शैशवकालीन अतीत और प्रत्यक्ष वर्तमान के बीच समय-प्रवाह का पाट ज्यों-ज्यों चौड़ा होता जाता है त्यों-त्यों हमारी स्मृति में अनजाने में एक परिवर्तन लक्षित होने लगता है, शैशव की चित्रशाला के जिन चित्रों से हमारा रागात्मक संबंध गहरा होता है, उनकी रेखाएँ और रंग इतने स्पष्ट और चमकीले होते चलते हैं कि हम वार्धक्य की धुँधली आँखों से भी उन्हें प्रत्यक्ष देखते रहते हैं। पर जिनसे ऐसा संबंध नहीं होता वे फीके होते-होते इस प्रकार स्मृति से धुल जाते हैं कि दूसरों के स्मरण दिलाने पर भी उनका स्मरण कठिन हो जाता है।

उत्तर -

हमारे शैशवकालीन अतीत..........हो जाता है।

- **प्रसंग :** प्रस्तुत गद्यांश हिन्दी साहित्य की प्रसिद्ध लेखिका **महादेवी वर्मा** संस्मरण **सुभद्रा कुमारी चौहान** से उद्धृत है। जिसमें उन्होंने मानव-स्मृति की विशेषताओं और बाल्यकालीन अनुभवों की स्थायित्व-शक्ति पर प्रकाश डाला है।

- **व्याख्या :** लेखिका कहती हैं कि शैशवकाल और वर्तमान जीवन के बीच समय का फासला जितना बढ़ता जाता है, हमारी स्मृतियाँ भी उतनी धुंधली होती जाती है। बचपन की वे घटनाएँ और चित्र, जिनसे हमारा आत्मीय और भावनात्मक संबंध जुड़ा रहता है, उनकी रेखाएँ व रंग इतने प्रखर और चमकीले बने रहते हैं कि वृद्धावस्था में भी हम उन्हें प्रत्यक्ष अनुभव कर सकते हैं। इसके विपरीत जिन घटनाओं से हमारा गहरा संबंध नहीं होता, वे धीरे-धीरे फीकी पड़कर स्मृति से मिट जाती हैं, यहाँ तक कि दूसरों के स्मरण दिलाने पर भी उन्हें याद कर पाना कठिन हो जाता है।

- **विशेष :**

1. सहज, स्पष्ट तथा भावनात्मक भाषा का प्रयोग किया है, जिससे भाव सीधे हृदय को स्पर्श करते हैं।
2. चित्रात्मकता शैली का प्रयोग किया गया है। जैसे - "शैशव की चित्रशाला", "धुँधली आँखें", "चित्रों की रेखाएँ और रंग"।
3. भाषा में आत्मीयता और संवेदनशीलता है, जो स्मृतियों को जीवंत कर देती है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

अथवा

(ख) शिवालिक की सूखी नीरस पहाड़ियों पर मुस्कराते हुए ये वृक्ष द्वंद्वातीत हैं, अलमस्त हैं। मैं किसी का नाम नहीं जानता, कुल नहीं जानता, शील नहीं जानता, पर लगता है, ये जैसे मुझे अनादि काल से जानते हैं। इन्हीं में एक छोटा-सा बहुत ही ठिगना-पेड़ है, पत्ते चौड़े भी हैं, बड़े भी हैं। फूलों से तो ऐसा लदा है कि पूछिए नहीं। अजीब-सी अदा है, मुस्कराता जान पड़ता है।

उत्तर -

शिवालिक की सूखी..........जान पड़ता है।

- **प्रसंग :** प्रस्तुत गद्यांश प्रसिद्ध निबंधकार **आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी** द्वारा **रचित निबंध 'कुटज'** से अवतरित है।

- **व्याख्या :** यहाँ लेखक शिवालिक की पहाड़ियों की सूनी, नीरस स्थिति का वर्णन कर रहे हैं। वे बताते हैं कि इन पहाड़ियों पर उगने वाले वृक्ष, जैसे कुटज, अपने स्वरूप में द्वंद्वातीत हैं- यानी वे किसी द्वंद्व या संघर्ष से बाहर, अलमस्त और स्वतंत्र हैं। वे इन वृक्षों से परिचित हैं, भले ही उनका नाम या अन्य किसी पहचान का ज्ञान न हो। यह एक गहरे आत्मिक जुड़ाव की भावना है, जैसे इन वृक्षों के साथ उनका संबंध अनादि (अनंत काल से) जुड़ा हुआ है। यहाँ कुटज के छोटे, ठिगने वृक्ष का वर्णन किया जा रहा है, जो फूलों से पूरी तरह लदा हुआ है। यह वृक्ष एक अद्वितीय सुंदरता और जीवन की प्रचुरता का प्रतीक है।

- **विशेष :**

1. तत्सम शब्दों का बाहुल्य है।
2. खड़ी बोली का प्रयोग किया गया है।
3. भाषा में प्रवाह है।
4. लेखक ने प्रकृति एवं कुटज से प्रेरणा ग्रहण करने का उपदेश दिया है।

31. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए :

(क) नई पीढ़ी, पुरानी पीढ़ी के बीच मतभेद का क्या कारण है? 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ के आधार पर लिखिए। इस प्रकार के मतभेद को किस प्रकार दूर किया जा सकता है, तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

उत्तर - 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ के अनुसार, नई और पुरानी पीढ़ी के बीच मतभेद का मुख्य कारण पुरानी पीढ़ी के अनुभव और नई पीढ़ी की सोच में टकराव तथा बदलते समय के अनुसार विचारों और जीवनशैली में आया अंतर है। इस मतभेद को दूर करने के लिए दोनों पीढ़ियों को एक-दूसरे के विचारों का सम्मान करना व परिवर्तनों को स्वीकार करना चाहिए और आपसी बातचीत व समझदारी से रास्ता निकालना चाहिए।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ख) 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के आधार पर उमा की चारित्रिक विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के आधार पर उमा की चारित्रिक विशेषताएँ निम्नलिखित है -

- उमा बी.ए.पास सुशिक्षित तथा प्रगतिशील विचारों वाली लड़की है। उसे उच्च शिक्षा पाने पर शर्म नहीं बल्कि गर्व है।
- उमा बनावटी सुंदरता से दूर रहने वाली तथा सादगी पसंद करने वाली लड़की है।
- उमा शिक्षा के साथ ही संगीत एवं पेंटिंग में भी रुचि रखती है।
- उमा साहसी एवं वाक्पटु है। वह गोपाल प्रसाद की बातों का जवाब देकर निरुत्तर कर देती है।

(ग) 'चीफ़ की दावत' कहानी में शामनाथ पदोन्नति पाने की लालसा में चीफ़ को दावत पर आमंत्रित करता है। क्या इस प्रकार के कार्य वर्तमान समय में भी दिखाई देते हैं? अपने विचार व्यक्त कीजिए।

उत्तर - 'चीफ़ की दावत' में शामनाथ के द्वारा पदोन्नति पाने की लालसा में चीफ को दावत पर बुलाने जैसा व्यवहार आज के समय में भी अत्यधिक दिखाई देता है। वर्तमान में भी लोग अपने स्वार्थ और पेशेवर लक्ष्यों को पूरा करने के लिए दिखावा करते हैं, दिखावटी आधुनिकता अपनाते हैं और परिवार के वास्तविक मूल्यों को नजरअंदाज कर देते हैं, जैसा कि 'चीफ़ की दावत' कहानी में बताया गया है।

32. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए :

(क) प्रयोजनमूलक भाषा और प्रयुक्ति से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - प्रयोजनमूलक भाषा वह भाषा है जिसका प्रयोग किसी विशेष उद्देश्य या कार्य की पूर्ति के लिए किया जाता है। इसका उपयोग प्रशासन, बैंक, विधि, वाणिज्य, पत्रकारिता आदि क्षेत्रों में होता है। प्रयुक्ति का अर्थ है परिस्थिति, विषय और भूमिका के अनुसार भाषा के प्रयोग में होने वाला अंतर, जैसे विभिन्न पेशों में भाषा का अलग प्रयोग।

(ख) सामान्य व्यवहार या बोलचाल की हिन्दी की तीन विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर - सामान्य व्यवहार या बोलचाल की हिंदी की तीन विशेषताएँ इस प्रकार हैं -

- **दैनिक जीवन में प्रयोग -** बोलचाल की हिन्दी घर, बाज़ार और सामाजिक संपर्क में सामान्य बातचीत के लिए प्रयुक्त होती है।
- **सरल और लचीली भाषा -** इसमें कठोर व्याकरणिक नियमों का पालन अनिवार्य नहीं होता।
- **क्षेत्रीय विविधता -** यह अलग-अलग क्षेत्रों में विभिन्न रूपों में बोली जाती है, जैसे बंबइया, दिल्ली की या कोलकाता की हिन्दी।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

33. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए :

(क) प्रारूपण किसे कहते हैं? इसकी दो विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर - किसी पत्र के उत्तर का कच्चा या मसौदा रूप तैयार करना **प्रारूपण** कहलाता है। कार्यालय में प्राप्त पत्र के उत्तर हेतु पहले उसका प्रारूप बनाया जाता है।

प्रारूपण की विशेषताएँ :

1) प्रारूप की भाषा पक्षपात से मुक्त, शिष्ट, स्पष्ट, सरल और सहज होती हैं।
2) प्रारूप में जो कुछ भी लिखा जाता है वह पूर्णता तथ्यपरक होता हैं।

(ख) आपका नाम आयुष/आयुषी है। आप क० ख० ग० बैंक में पिछले चार सालों से एक ही वेतनमान पर काम कर रहे हैं। आपके वेतन में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। अपने वेतनमान में वृद्धि हेतु कार्यक्षेत्र की उपलब्धियों का वर्णन करते हुए बैंक प्रबंधक को पत्र लिखिए।

उत्तर -

आयुषी
A-56, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

दिनांक : 03 नवम्बर 2025

सेवा में,

प्रबंधक महोदय,

भारतीय स्टेट बैंक, इलाहाबाद

विषय : वेतनमान वृद्धि हेतु प्रार्थना-पत्र।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं पिछले चार वर्षों से आपके बैंक में सहायक प्रबंधक के रूप में निष्ठापूर्वक कार्यरत हूँ। इस अवधि में मैंने ग्राहक सेवा एवं बैंकिंग कार्यों में सराहनीय योगदान दिया है। चार वर्षों से वेतनमान में वृद्धि न होने से मनोबल प्रभावित हो रहा है। अतः कृपया मेरी सेवाओं को ध्यान में रखते हुए वेतनमान में उपयुक्त वृद्धि करने की कृपा करें।

भवदीय,

आयुषी

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

34. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए :

(क) विकास कार्यक्रमों के प्रचार-प्रसार में संचार माध्यमों की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - विकास कार्यक्रमों के प्रचार-प्रसार में संचार माध्यमों की भूमिका निम्न है -

- **जानकारी का प्रसार –** संचार माध्यम सरकार द्वारा चलाई जा रही विकास योजनाओं की सही और समय पर जानकारी जनता तक पहुँचाते हैं।
- **जागरूकता निर्माण –** शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, रोजगार और गरीबी उन्मूलन जैसे विषयों पर लोगों को जागरूक करते हैं।
- **जनसहभागिता बढ़ाना –** जनता को योजनाओं से जोड़कर उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हैं।
- **सकारात्मक वातावरण बनाना –** योजनाओं के लाभ दिखाकर लोगों में विश्वास और आशा का वातावरण तैयार करते हैं।

(ख) संचार के मुद्रित माध्यम कौन-कौन से हैं? पर्वतीय क्षेत्रों में होने वाली बर्फ़बारी को आधार बनाकर एक समाचार लिखिए।

उत्तर - संचार के मुद्रित माध्यम वे साधन हैं जिनके द्वारा लिखित रूप में संदेश, विचार और सूचनाएँ लोगों तक पहुँचाई जाती हैं। इनके प्रमुख उदाहरण- समाचार-पत्र (अख़बार), पत्रिकाएँ, पुस्तकें, पोस्टर व पैम्पलेट पत्र (चिट्ठियाँ) आदि।

समाचार (पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फ़बारी पर)

शीर्षक : भारी बर्फ़बारी से जनजीवन ठप, पर्यटक उत्साहित

स्थान : शिमला, 2 सितम्बर

पर्वतीय क्षेत्रों में लगातार हो रही बर्फ़बारी से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। सड़कों पर बर्फ़ जमने से यातायात बाधित हुआ है और कई गाँवों का संपर्क टूट गया है। ठंड बढ़ने से लोग घरों में रहने को मजबूर हैं। हालांकि, पर्यटकों में बर्फ़बारी को लेकर उत्साह बना हुआ है। प्रशासन ने सावधानी बरतने की अपील की है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

SET – C

दिए गए पाठ्यक्रम पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :

1. अच्छे पत्र का गुण नहीं है-

(A) सरलता **(B) संक्षिप्तता**

(C) सहजता **(D) जटिलता**

उत्तर - (D) जटिलता

2. "मैं यूनिवर्सिटी कैम्पस में खड़ा हूँ।" वाक्य बोलचाल की हिन्दी भाषा के किस प्रयुक्ति-क्षेत्र के अंतर्गत आता है?

(A) बंबइया हिन्दी **(B) दिल्ली की हिन्दी**

(C) हैदराबाद की हिन्दी **(D) ऐंग्लो हिन्दी**

उत्तर - (D) ऐंग्लो हिन्दी

3. 'भरत का भ्रातृप्रेम' प्रसंग के आधार पर लिखिए कि राम को सम्मुख देख भरत की आँखें भर गईं-

(A) करुणा से **(B) प्रेम के आँसुओं से**

(C) दर्द के कारण **(D) पश्चात्ताप के आँसुओं से**

उत्तर - (B) प्रेम के आँसुओं से

4. 'भरत का भ्रातृप्रेम' से उद्धृत पंक्ति 'कबहूँ न कीन्ह मोर मन भंगू' के आधार पर लिखिए कि किसने किसका मन नहीं दुखाया?

(A) भरत ने राम का **(B) राम ने भरत का**

(C) कैकयी ने राम का **(D) कैकयी ने भरत का**

उत्तर - (B) राम ने भरत का

5. निम्नलिखित में से किस पंक्ति में रूपक अलंकार है?

(A) सुनि मुनि वचन राम रुख पाई **(B) मातु मंदि मैं साधु सुचाली**

(C) मोर अभाग उदधि अवगाहू **(D) जारिऊँ जायँ जननि कहि काकू**

उत्तर - (C) मोर अभाग उदधि अवगाहू

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

6. मीरा के पद के आधार पर लिखिए कि श्रीकृष्ण को मोल लेने के लिए मीरा ने कौन-सी कीमत नहीं चुकाई?

(A) लोक अपवाद **(B) सगे-संबंधियों की भर्त्सना**

(C) धन-संपत्ति **(D) पारिवारिक लांछन**

उत्तर - (C) धन-संपत्ति

7. पद्माकर रचित पद में किस रस की प्रधानता है?

(A) वात्सल्य **(B) श्रृंगार**

(C) वीर **(D) भयानक**

उत्तर - (B) श्रृंगार

8. 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' कविता के संदर्भ में निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

कथन : सुख के बीते पलों के साथ दुख के वर्तमान दिनों को जोड़ देने से मन व्यथित हो जाता है।

कारण : व्यक्ति को ऐसा लगता है कि जो खुशी के पल बीत चुके हैं वे दोबारा वापस नहीं आ सकते।

(A) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं।

(B) कारण सही है लेकिन कथन गलत है।

(C) कथन सही है लेकिन कारण कथन की गलत व्याख्या है।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

उत्तर - (D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

9. कॉलम (1) को कॉलम (2) से सुमेलित कीजिए और उचित विकल्प चुनकर लिखिए :

कॉलम (1)	कॉलम (2)
(i) मशाल	(1) दमनकारी सत्ता
(ii) भेड़िये	(2) आम-आदमी
(iii) तुम	(3) सामूहिक चेतना

विकल्प :

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(A) (i)-(3), (ii)-(1), (iii)-(2) **(B) (i)-(1), (ii)-(3), (iii)-(2)**

(C) (i)-(2), (ii)-(1), (iii)-(3) **(D) (i)-(3), (ii)-(2), (iii)-(1)**

उत्तर - (A) (i)-(3), (ii)-(1), (iii)-(2)

10. 'संयुक्त परिवार' कविता का कवि अतिथि के घर से बिना मिले ही लौट जाने से परेशान क्यों है?

(A) कवि मेल-मिलाप में विश्वास रखता है

(B) अतिथि उसका परिचित था

(C) आगंतुक के आने का कारण वह नहीं जान सका

(D) आगंतुक की आवभगत से वह वंचित रह गया

उत्तर - (C) आगंतुक के आने का कारण वह नहीं जान सका

11. सुभद्राकुमारी चौहान के अनुसार स्त्री और पुरुष के व्यक्तित्व को अलग-अलग मानने का आधार है:

(A) दोनों की शारीरिक संरचना **(B) दोनों का बाहरी परिवेश**

(C) दोनों की स्वतंत्र इच्छा-शक्ति **(D) दोनों के भीतर स्वतंत्र आत्मा**

उत्तर - (D) दोनों के भीतर स्वतंत्र आत्मा

12. सुभद्राकुमारी चौहान पाठ के आधार पर नारी वीरत्व धर्म किसलिए अपनाती है?

(A) सृष्टि के कल्याण के लिए **(B) अहंकार की पूर्ति के लिए**

(C) राग-द्वेष की पूर्ति के लिए **(D) निजी स्वार्थ की पूर्ति के लिए**

उत्तर - (A) सृष्टि के कल्याण के लिए

13. सुभद्राकुमारी चौहान विपरीत परिस्थितियों में भी घर और बाहर के बीच संतुलन कैसे स्थापित कर पाईं?

(A) पारिवारिक सहयोग से **(B) सुदृढ़ आर्थिक स्थिति के कारण**

(C) परिस्थितियों से समझौता करके **(D) दृढ़-निश्चय और मानसिक धैर्य से**

उत्तर - D) दृढ़-निश्चय और मानसिक धैर्य से

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

14. 'कुटज' पाठ के अनुसार अबोध कौन है?

(A) दूसरे का उपकार करने वाला

(B) दूसरे का अपकार करने वाला

(C) सांसारिक ज्ञान को नहीं समझने वाला

(D) मानसिक बल कम रखने वाला

उत्तर - (C) सांसारिक ज्ञान को नहीं समझने वाला

15. 'कुटज' की तुलना राजा जनक से क्यों की गई है?

(A) मन पर नियंत्रण रखने के कारण

(B) फूलों से लदा रहने के कारण

(C) दूसरों के हृदय-परिवर्तन करने की कला के कारण

(D) शुष्क वातावरण में भी हरा-भरा रहने के कारण

उत्तर - (A) मन पर नियंत्रण रखने के कारण

16. 'कुटज' पाठ के अनुसार सुख और दुख क्या हैं?

(A) नदी के दो किनारे

(B) मन के विकल्प

(C) जीवन के दो पहर

(D) सुबह और शाम

उत्तर - (B) मन के विकल्प

17. 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ के अनुसार, साहित्यिक वयोवृद्ध मोटा चश्मा लगाकर क्या करते थे?

(A) किताबें पढ़ते थे

(B) चाँद को देखते थे

(C) नई पीढ़ी को ताकते थे

(D) सड़क पर चलते थे

उत्तर - (B) चाँद को देखते थे

18. 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ में तरुणों ने वयोवृद्धों के लिए 'अर्थ' का क्या प्रबंध किया?

(A) उन्हें अंशकालिक काम दिलवा दिया

(B) उन्हें मंदिर में काम दिलवा दिया

(C) उन्हें रॉयल्टी दिलवाने का प्रबंध कर दिया

(D) उन्हें देवता बनाकर मंदिर में बैठा दिया

उत्तर - (C) उन्हें रॉयल्टी दिलवाने का प्रबंध कर दिया

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

19. 'चीफ़ की दावत' कहानी के आधार पर माँ चीफ के लिए फुलकारी बनाने के लिए तैयार हो जाती है, क्योंकि-

(A) इससे बेटे की तरक्की होगी

(B) वह इस कला में कुशल थी

(C) वह बेटे से भयभीत रहती थी

(D) वह अपनी कला का प्रदर्शन चाहती थी

उत्तर - (A) इससे बेटे की तरक्की होगी

20. 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के पात्र गोपाल प्रसाद के व्यक्तित्व के विषय में निम्नलिखित में से क्या असत्य है?

(A) वे महिलाओं की उच्च शिक्षा के विरोधी थे

(B) वे वैवाहिक संबंध को व्यापार मानते थे

(C) वे पुरुषवादी मानसिकता के शिकार थे

(D) वे बच्चों की स्वतंत्रता के पक्षधर थे

उत्तर - (D) वे बच्चों की स्वतंत्रता के पक्षधर थे

21. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 1 शब्द या 1 वाक्य में दीजिए :

(क) 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी में समाज की किस समस्या को प्रस्तुत किया गया है?

उत्तर - लड़की विवाह की परंपराओं और पुरुषप्रधान मानसिकता।

(ख) 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ के आधार पर लिखिए कि पुरानी पीढ़ी के द्वारा युवा पीढ़ी को अधिकार न सौंपने से समाज को क्या नुकसान होता है?

उत्तर - पुरानी पीढ़ी द्वारा अधिकार न सौंपने से समाज की प्रगति रुक जाती है।

(ग) 'चीफ़ की दावत' कहानी के लेखक का नाम लिखिए।

उत्तर - भीष्म साहनी

22. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही/गलत में दीजिए :

(क) लिखित संप्रेषण की अपेक्षा मौखिक संप्रेषण में औपचारिकता और सतर्कता दोनों ही अधिक होती हैं।

(ख) रेडियो दुर्गम स्थानों पर सूचनाएँ नहीं पहुँचा सकता।

(ग) मेल मर्ज का उपयोग कर एक Letter को आसानी से कई नाम से बनाया जा सकता है।

उत्तर -

(क) लिखित संप्रेषण की अपेक्षा मौखिक संप्रेषण में औपचारिकता और सतर्कता दोनों ही अधिक होती हैं। **(गलत)**

(ख) रेडियो दुर्गम स्थानों पर सूचनाएँ नहीं पहुँचा सकता। **(गलत)**

(ग) मेल मर्ज का उपयोग कर एक Letter को आसानी से कई नाम से बनाया जा सकता है। **(सही)**

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

23. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

वैराग्य छोड़ बाँहों की विभा सँभालो,
चट्टानों की छाती से दूध निकालो।
है रुकी जहाँ भी धार, शिलाएँ तोड़ो,
पीयूष चंद्रमाओं को पकड़ निचोड़ो।
चढ़ तुंग शैल-शिखरों पर सोम पियो रे!
योगियों नहीं, विजयी के सदृश जियो रे!

(क) 'बाँहों की विभा' से तात्पर्य नहीं है -

(A) भुजाओं की शक्ति **(B) भुजाओं का सौंदर्य**

(C) भुजाओं का बल **(D) भुजाओं का सौष्ठव**

उत्तर - (A) भुजाओं की शक्ति

(ख) 'चट्टानों की छाती से दूध निकालो' का आशय है :

(A) पत्थरों से पानी निकालना **(B) पहाड़ों से नदी निकालना**

(C) पहाड़ों पर पताका फहराना **(D) विपरीत परिस्थितियों में विजय पाना**

उत्तर - (D) विपरीत परिस्थितियों में विजय पाना

(ग) काव्यांश में प्रयुक्त 'तुंग' शब्द का अर्थ है :

(A) ऊँचा **(B) ऊबड़-खाबड़**

(C) संकरा **(D) सपाट**

उत्तर - (A) ऊँचा

(घ) 'सोम' शब्द का पर्यायवाची नहीं है :

(A) अमृत **(B) सुधा**

(C) गरल **(D) पीयूष**

उत्तर - (C) गरल

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ङ) काव्यांश के माध्यम से देशवासियों में कौन-सा भाव जाग्रत् किया गया है?

(A) वीरता **(B) वैराग्य**

(C) कायरता **(D) आलस्य**

उत्तर - (A) वीरता

(च) 'है रुकी जहाँ भी धार' प्रतीकार्थ है :

(A) पानी की धारा का **(B) मार्ग की बाधाओं का**

(C) विचारों की गंगाओं का **(D) मार्ग की शिलाओं का**

उत्तर - (B) मार्ग की बाधाओं का

(छ) 'चंद्रमाओं से पीयूष प्राप्त करने' से अभिप्राय है :

(A) अमृत प्राप्त करना **(B) रोशनी प्राप्त करना**

(C) चंद्रमा का रहस्य जानना **(D) लक्ष्य पा लेना**

उत्तर - (D) लक्ष्य पा लेना

24. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए :

इन सींखचों में जहाँ से कोई निकल सकता और कोई प्रवेश नहीं कर सकता। एक पतली-सी सूरज की किरण को छोड़कर जो संसार को सुखभरी नींद से जगाती है; लोग-बाग अँगड़ाइयाँ लेते, ओठों पर मुस्कान लिए उठते हैं, किरण जो औरों के लिए आशा का संदेश लिए आती है। इन अभागों के लिए जो यहाँ अंडमान में काला पानी भोग रहे थे, सुबह कभी कोई आशा का संदेश नहीं लाई और शाम आई तो वह भी डरती-डरती उनको कोठरियों की दहलीज पर एक स्वप्न मात्र रख गई-आज़ादी का स्वप्न, जिसे उन्होंने बरसों देखा, सँजोकर रखा। आखिर इस स्वप्न के लिए ही तो उन्होंने सजाएँ भोगी थीं। उनका जुर्म, अपराध क्या था? उन्होंने स्वप्न देखा था। और वे उसे असलियत में परिणत करना चाहते थे?

(क) गद्यांश के लेखक हैं :

(A) श्रीकांत वर्मा **(B) रामकुमार वर्मा**

(C) महादेवी वर्मा **(D) भीष्म साहनी**

उत्तर - (A) श्रीकांत वर्मा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ख) गद्यांश के पाठ का नाम है :

(A) सुभद्राकुमारी चौहान **(B) जिजीविषा की विजय**

(C) कुटज **(D) अंडमान डायरी**

उत्तर - (D) अंडमान डायरी

(ग) "इन सींखचों में जहाँ से कोई नहीं निकल सकता।" कथन में 'जहाँ' शब्द प्रयुक्त हुआ है :

(A) अंडमान द्वीपसमूहों के लिए **(B) जेल के फाँसीघरों के लिए**

(C) जेल की तंग काल-कोठरियों के लिए **(D) अंग्रेजों की कैद के लिए**

उत्तर - (C) जेल की तंग काल-कोठरियों क लिए

(घ) सुबह की पहली किरण आम आदमियों के लिए कौन-सा संदेश लेकर नहीं आती?

(A) आशा का **(B) निराशा का**

(C) सुख का **(D) खुशहाली का**

उत्तर - (B) निराशा का

(ङ) गद्यांश में प्रयुक्त 'परिणत' शब्द का अर्थ है :

(A) बदलना **(B) भोगना**

(C) सहना **(D) रहना**

उत्तर - (A) बदलना

(च) सेनानियों ने किसलिए यातनाएँ सहीं?

(A) स्वतंत्र हवा में साँस लेने के लिए **(B) अंग्रेजों के विरुद्ध एकजुट होने के लिए**

(C) सुख-सुविधा प्राप्त करने के लिए **(D) अंग्रेजों का साथ न देने के लिए**

उत्तर - (A) स्वतंत्र हवा में साँस लेने के लिए

(छ) गद्यांश में प्रयुक्त 'दहलीज' का शब्दार्थ नहीं है :

(A) ड्योढ़ी **(B) चौखट**

(C) देहरी **(D) मर्यादा**

उत्तर - (D) मर्यादा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

25. निम्नलिखित व्याकरण-संबंधी प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) विलोम शब्द लिखिए :

सुगंध; प्राकृतिक।

उत्तर - विलोम शब्द :

सुगंध : दुर्गंध

प्राकृतिक : कृत्रिम

(ख) उपसर्ग/प्रत्यय अलग कीजिए :

प्रचलन; स्वाभाविक।

उत्तर - उपसर्ग व प्रत्यय

प्रचलन - प्र : उपसर्ग

स्वाभाविक - इक : प्रत्यय

(ग) निम्नलिखित वाक्य में विराम-चिह्न लगाकर वाक्य पुनः लिखिए :

प्रतापी अगस्त्य मुनि को भी कुटज कहा जाता है

उत्तर - प्रतापी अगस्त्य मुनि को भी '**कुटज**' कहा जाता है।

(घ) 'नौरत्न' पद का विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए।

उत्तर - विग्रह सहित समास का नाम :

नौरत्न - नौ रत्नों का समूह (**द्विगु समास**)

(ङ) संधि-विच्छेद कीजिए :

वनौषधि; इत्यादि।

उत्तर - संधि-विच्छेद :

वनौषधि = वन + औषधि

इत्यादि = इति + आदि

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(च) 'दाँत निपोरना' मुहावरे का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उसका अर्थ स्पष्ट हो जाए।

उत्तर -

मुहावरा : दाँत निपोरना (अर्थ - बिना कारण हँसना, बेवजह हँसते रहना)

वाक्य : शिक्षक ने प्रश्न पूछा तो मोहन उत्तर देने के बजाय दाँत निपोरने लगा।

(छ) निम्नलिखित का शुद्ध रूप (वर्तनी) लिखिए :

पुनरावलोकन; आर्शीवाद।

उत्तर - शुद्ध रूप

पुनरावलोकन - पुनरवलोकन

आर्शीवाद - आशीर्वाद

(ज) निम्नलिखित का विशेषण बनाइए :

पीड़ा; भार।

उत्तर - विशेषण

'पीड़ा' का विशेषण - पीड़ित

'भार' का विशेषण - भारी

(झ) निम्नलिखित का भाववाचक संज्ञा बनाइए :

मानव; पीला।

उत्तर - भाववाचक संज्ञा

मानव - मानवता

पीला - पीलापन

(ञ) निम्नलिखित वाक्यों को जोड़कर एक सरल वाक्य बनाइए :

(i) वह धीरे से उठा।

(ii) वह मंदिर के दूसरे हिस्से में चला गया।

उत्तर - वह धीरे से उठकर मंदिर के दूसरे हिस्से में चला गया।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

26. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

माई री म्हां लियाँ गोविन्दाँ मोल।
थे कह्यां छाणे म्हां कां चोड्डे, लियाँ बजन्ता ढोल।
थे कह्यां मुंहोधो म्हां कह्या सस्तो, लिया री तराजां तोल।
तण वारां म्हां जीवण वारां, वारां अमोलक मोल।
मीराँ कूं प्रभु दरसण दीज्याँ, पूरब जनम को कोल।।

उत्तर -

माई री म्हां..............जनम को कोल॥

प्रसंग : प्रस्तुत पंक्तियाँ "मीराँबाई" के पद से संकलित है। प्रस्तुत पद में मीराँ ने कृष्ण के साथ अपने प्रेम-संबंध की घोषणा अत्यंत साहस और दृढ़ता से की है।

व्याख्या : मीराँ कहती हैं कि हे सखी! तुम कहती हो कि मैं उनसे यह संबंध छिपाकर रखती हूँ और मैं कहती हूँ कि मैंने खुले में ढोल बजा कर श्रीकृष्ण को मोल लिया है अर्थात् उन्हें खुले आम अपना लिया है। मुझे उनसे प्रेम है और मैं सार्वजनिक तौर पर इस प्रेम की घोषणा करती हूँ। मीराँ आगे कहती हैं कि हे सखी, तुम कहती हो कि यह सौदा मँहगा है पर मेरा मानना है कि यह बहुत सस्ता है; क्योंकि मैंने यह सौदा तराजू पर तौलकर किया है अर्थात् मैंने पूर्ण रूप से सोच-विचार कर, जाँच-परख कर ही ऐसा किया है और इसका जो मूल्य मैंने चुकाया है (लोक अपवाद, कुल-संबंधियों से मिलने वाली भर्त्सना और लांछना आदि) वह तुम्हारी दृष्टि में अधिक हो सकता है, पर मेरी दृष्टि में श्रीकृष्ण को पाने के लाभ की तुलना में अपयश बहुत कम है। मैंने तो उन पर अपना तन-मन और जीवन सभी कुछ न्योछावर कर दिया है। दूसरा अर्थ यह भी हो सकता है कि मैंनेअपना सब कुछ, जो अमूल्य था, कीमत के रूप में श्रीकृष्ण पर न्योछावर कर दिया। इसके बाद मीराँ पूर्व जन्म में दिए गए वचन का स्मरण कराते हुए श्रीकृष्ण से दर्शन देने की प्रार्थना करती हैं।

विशेष :

1. ब्रजभाषा, राजस्थानी भाषा का प्रयोग किया गया है।
2. मुहावरे का प्रयोग किया गया है।
3. पद में गेयता है।
4. पद में लयात्मकता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

अथवा

नक्शे में जंगल हैं पेड़ नहीं
नक्शे में नदियाँ हैं पानी नहीं
नक्शे में पहाड़ हैं पत्थर नहीं
नक्शे में देश है लोग नहीं
समझ ही गए होंगे आप कि हम सब
एक नक्शे में रहते हैं
हमारी पैंटों और चप्पलों से लेकर
वल्दियत और चोटों के निशान
नब्ज रक्तचाप और तापमान
स्वप्न और स्मृतियों सहित नप चुके हैं
और नक्शे तैयार हैं

उत्तर -

नक्शे में जंगल..............नक्शे तैयार हैं

- **प्रसंग :** प्रस्तुत पंक्तियाँ **"नरेश सक्सेना"** द्वारा रचित कविता **'नक्शे'** से अवतरित है। यह कविता हमारे समाज, पर्यावरण और मानवता की वास्तविक स्थिति पर गहरी टिप्पणी करती है।

- **व्याख्या :** कवि **नरेश सक्सेना** की कविता **'नक्शे'** में बताया गया है कि नक्शे किसी स्थान का भौगोलिक विवरण दिखा सकते हैं, लेकिन उसकी असली सुंदरता, जीवन और जीवंतता नहीं। नक्शों में जंगल हैं, पर पेड़ नहीं; नदियाँ हैं, पर पानी नहीं; पहाड़ हैं, पर पत्थर नहीं; और देश हैं, पर लोगों की पहचान नहीं। यह आधुनिकता और शहरीकरण के कारण प्राकृतिक संसाधनों के शोषण और मानवीयता की कमी को दर्शाता है।

  कवि आगे कहते हैं कि जीवन की छोटी चीज़ें- पैंट, चप्पल, चोट के निशान, यादें, शरीर की स्थिति भी नक्शों में समा गई हैं। **'वल्दियत'** से वह सब दर्शाते हैं जो हमें पुरखों और परंपराओं से मिली, पर अब वस्तु बनकर नक्शे का हिस्सा बन गई है। सपने और यादें भी हमारी नहीं रहीं। पर्यावरण और प्रकृति इतना बिगड़ चुका है कि उसका असली रूप खो गया है, जबकि नक्शों में सब कुछ साफ़-सुथरा और सुंदर दिखता है।

- **विशेष :**

1. नक्शा इस पूँजीवादी व्यवस्था द्वारा तैयार की गई उन तमाम योजनाओं का प्रतीक हैं, जिसमें आम लोगों और देशों को शामिल होने के लिए मज़बूर किया जाता है।
2. व्यक्ति, प्रकृति, संवेदना और मानवीयता के लिए कोई जगह नहीं है।
3. कविता में एक खास तरह की नाटकीयता हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

27. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए :

(क) पद्माकर द्वारा रचित कवित्त के आधार पर श्रीकृष्ण के प्रति गोपी के प्रेम पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तर - पद्माकर के कवित्त में गोपियों का श्रीकृष्ण के प्रति प्रेम अत्यधिक गहरा, अनन्य और विवशतापूर्ण है। यह प्रेम सामाजिक बंधनों से परे, हृदय के समर्पण और भक्ति का प्रतीक है, जहाँ गोपी कृष्ण के आकर्षण और लीलाओं में इस कदर बंध जाती है कि वह अपनी इच्छाओं का भी त्याग कर देती है और कृष्ण के प्रेम में लीन रहती है। उनका प्रेम हारिल पक्षी की तरह दृढ़ है, जो कृष्ण को मन, वचन और कर्म से अपने हृदय में धारण किए हुए है।

(ख) 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' कविता की भाषागत विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' कविता की भाषा सहज, सरल और भावुक है। इसमें संकेतात्मकता और लाक्षणिकता का प्रयोग हुआ है। अनुप्रास व पुनरुक्ति-प्रकाश अलंकार हैं। 'दिल भारी होना' जैसे मुहावरों से भाव स्पष्ट हुए हैं। साथ ही, प्रश्नात्मक शैली अपनाकर कवि ने सीधे उत्तर न देकर गहन संवेदनाओं और करुणा को व्यक्त किया है।

(ग) 'भेड़िये भागेंगे' कवि सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के इस विश्वास का क्या आधार है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के "भेड़िये भागेंगे" विश्वास का आधार यह है कि जब सामान्य जन संगठित होकर अत्याचार और भय के विरुद्ध आवाज़ उठाते हैं, तब सबसे क्रूर और अमानवीय सत्ता भी टिक नहीं पाती। भेड़िया यहाँ उन शक्तियों का प्रतीक है जिन्होंने सदियों से लोगों को डराकर शासन और सत्ता कायम रखी। किंतु कवि मानता है कि जब जनता विरोध की मशाल उठाकर सामने आएगी, तो ये सत्ता-प्रतीक भेड़िए भयभीत होकर भाग खड़े होंगे।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

28. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

आज की दुनिया विचित्र नवीन
प्रकृति पर सर्वत्र विजयी पुरुष आसीन।
हैं बँधे नर के करों में वारि, विद्युत्, भाप,
हुक्म पर चढ़ता उतरता है पवन का ताप।
है नहीं बाकी कहीं व्यवधान,
लाँघ सकता नर सरिता, सिंधु एक समान।
शीश पर आदेश कर अवधार्य
प्रकृति के सब तत्त्व करते हैं मनुज के कार्य,
मानते हैं हुक्म मानव का महा वरुणेश,
और करता शब्दगुण अंबर वहन संदेश।
नव्य नर की मुष्टि में विकराल,
हैं सिमटते जा रहे दिक्काल।
यह प्रकृति निस्सीम नर का यह अपूर्व विकास।
चरण तल भूगोल मुट्ठी में लिखित आकाश।
किन्तु है बढ़ता गया मस्तिष्क ही निःशेष;
छूटकर पीछे गया है रह हृदय का देश।

(क) काव्यांश में आज की दुनिया को विचित्र और नवीन क्यों कहा गया है?

उत्तर - काव्यांश में आज की दुनिया को विचित्र और नवीन इसलिए कहा गया है क्योंकि मनुष्य ने विज्ञान और तकनीक से प्रकृति पर विजय पा ली है।

(ख) मनुष्य के आदेशों को अपने सिर पर कौन धारण करता है?

उत्तर - मनुष्य के आदेशों को अपने सिर पर प्रकृति के सभी तत्त्व धारण करते हैं।

(ग) मनुष्य द्वारा धरती और आकाश को नापने के बाद भी क्या शेष रह गया है?

उत्तर - मनुष्य द्वारा धरती और आकाश को नापने के बाद भी हृदय का देश शेष रह गया है।

(घ) मनुष्य के हाथों में कौन-कौन बँधे हैं?

उत्तर - मनुष्य के हाथों में जल (वारि), बिजली (विद्युत) और भाप बँधे हैं।

(ङ) क्या मानव द्वारा प्राप्त इस प्रगति को आप वास्तविक प्रगति मानते हैं? 15-20 शब्दों में उत्तर दीजिए।

उत्तर - नहीं, यह वास्तविक प्रगति नहीं है क्योंकि इसमें मनुष्य की भावनाओं और हृदय की संवेदनाएँ पीछे छूट गई हैं।

29. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए :

(क) नई पीढ़ी, पुरानी पीढ़ी के बीच मतभेद का क्या कारण है? 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ के आधार पर लिखिए। इस प्रकार के मतभेद को किस प्रकार दूर किया जा सकता है, तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

उत्तर - 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ के अनुसार, नई और पुरानी पीढ़ी के बीच मतभेद का मुख्य कारण पुरानी पीढ़ी के अनुभव और नई पीढ़ी की सोच में टकराव तथा बदलते समय के अनुसार विचारों और जीवनशैली में आया अंतर है। इस मतभेद को दूर करने के लिए दोनों पीढ़ियों को एक-दूसरे के विचारों का सम्मान करना व परिवर्तनों को स्वीकार करना चाहिए और आपसी बातचीत व समझदारी से रास्ता निकालना चाहिए।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ख) 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के आधार पर उमा की चारित्रिक विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के आधार पर उमा की चारित्रिक विशेषताएँ निम्नलिखित है -

- उमा बी.ए.पास सुशिक्षित तथा प्रगतिशील विचारों वाली लड़की है। उसे उच्च शिक्षा पाने पर शर्म नहीं बल्कि गर्व है।
- उमा बनावटी सुंदरता से दूर रहने वाली तथा सादगी पसंद करने वाली लड़की है।
- उमा शिक्षा के साथ ही संगीत एवं पेंटिंग में भी रुचि रखती है।
- उमा साहसी एवं वाक्पटु है। वह गोपाल प्रसाद की बातों का जवाब देकर निरुत्तर कर देती है।

(ग) 'चीफ़ की दावत' कहानी में शामनाथ पदोन्नति पाने की लालसा में चीफ़ को दावत पर आमंत्रित करता है। क्या इस प्रकार के कार्य वर्तमान समय में भी दिखाई देते हैं? अपने विचार व्यक्त कीजिए।

उत्तर - 'चीफ़ की दावत' में शामनाथ के द्वारा पदोन्नति पाने की लालसा में चीफ को दावत पर बुलाने जैसा व्यवहार आज के समय में भी अत्यधिक दिखाई देता है। वर्तमान में भी लोग अपने स्वार्थ और पेशेवर लक्ष्यों को पूरा करने के लिए दिखावा करते हैं, दिखावटी आधुनिकता अपनाते हैं और परिवार के वास्तविक मूल्यों को नजरअंदाज कर देते हैं, जैसा कि 'चीफ़ की दावत' कहानी में बताया गया है।

30. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) हमारे शैशवकालीन अतीत और प्रत्यक्ष वर्तमान के बीच समय-प्रवाह का पाट ज्यों-ज्यों चौड़ा होता जाता है त्यों-त्यों हमारी स्मृति में अनजाने में एक परिवर्तन लक्षित होने लगता है, शैशव की चित्रशाला के जिन चित्रों से हमारा रागात्मक संबंध गहरा होता है, उनकी रेखाएँ और रंग इतने स्पष्ट और चमकीले होते चलते हैं कि हम वार्धक्य की धुँधली आँखों से भी उन्हें प्रत्यक्ष देखते रहते हैं। पर जिनसे ऐसा संबंध नहीं होता वे फीके होते-होते इस प्रकार स्मृति से धुल जाते हैं कि दूसरों के स्मरण दिलाने पर भी उनका स्मरण कठिन हो जाता है।

उत्तर -

हमारे शैशवकालीन अतीत..........हो जाता है।

प्रसंग : प्रस्तुत गद्यांश हिन्दी साहित्य की प्रसिद्ध लेखिका **महादेवी वर्मा** संस्मरण **सुभद्रा कुमारी चौहान** से उद्धृत है। जिसमें उन्होंने मानव-स्मृति की विशेषताओं और बाल्यकालीन अनुभवों की स्थायित्व-शक्ति पर प्रकाश डाला है।

व्याख्या : लेखिका कहती हैं कि शैशवकाल और वर्तमान जीवन के बीच समय का फासला जितना बढ़ता जाता है, हमारी स्मृतियाँ भी उतनी धुंधली होती जाती है। बचपन की वे घटनाएँ और चित्र, जिनसे हमारा आत्मीय और भावनात्मक संबंध जुड़ा रहता है, उनकी रेखाएँ व रंग इतने प्रखर और चमकीले बने रहते हैं कि वृद्धावस्था में भी हम उन्हें प्रत्यक्ष अनुभव कर सकते हैं। इसके विपरीत जिन घटनाओं से हमारा गहरा संबंध नहीं होता, वे धीरे-धीरे फीकी पड़कर स्मृति से मिट जाती हैं, यहाँ तक कि दूसरों के स्मरण दिलाने पर भी उन्हें याद कर पाना कठिन हो जाता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

विशेष :

1. सहज, स्पष्ट तथा भावनात्मक भाषा का प्रयोग किया है, जिससे भाव सीधे हृदय को स्पर्श करते हैं।
2. चित्रात्मकता शैली का प्रयोग किया गया है। जैसे - "शैशव की चित्रशाला", "धुँधली आँखें", "चित्रों की रेखाएँ और रंग"।
3. भाषा में आत्मीयता और संवेदनशीलता है, जो स्मृतियों को जीवंत कर देती है।

अथवा

(ख) शिवालिक की सूखी नीरस पहाड़ियों पर मुस्कराते हुए ये वृक्ष द्वंद्वातीत हैं, अलमस्त हैं। मैं किसी का नाम नहीं जानता, कुल नहीं जानता, शील नहीं जानता, पर लगता है, ये जैसे मुझे अनादि काल से जानते हैं। इन्हीं में एक छोटा-सा बहुत ही ठिगना-पेड़ है, पत्ते चौड़े भी हैं, बड़े भी हैं। फूलों से तो ऐसा लदा है कि पूछिए नहीं। अजीब-सी अदा है, मुस्कराता जान पड़ता है।

उत्तर -

शिवालिक की सूखी..........जान पड़ता है।

प्रसंग : प्रस्तुत गद्यांश प्रसिद्ध निबंधकार **आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी** द्वारा **रचित निबंध 'कुटज'** से अवतरित है।

व्याख्या : यहाँ लेखक शिवालिक की पहाड़ियों की सूनी, नीरस स्थिति का वर्णन कर रहे हैं। वे बताते हैं कि इन पहाड़ियों पर उगने वाले वृक्ष, जैसे कुटज, अपने स्वरूप में द्वंद्वातीत हैं- यानी वे किसी द्वंद्व या संघर्ष से बाहर, अलमस्त और स्वतंत्र हैं। वे इन वृक्षों से परिचित हैं, भले ही उनका नाम या अन्य किसी पहचान का ज्ञान न हो। यह एक गहरे आत्मिक जुड़ाव की भावना है, जैसे इन वृक्षों के साथ उनका संबंध अनादि (अनंत काल से) जुड़ा हुआ है। यहाँ कुटज के छोटे, ठिगने वृक्ष का वर्णन किया जा रहा है, जो फूलों से पूरी तरह लदा हुआ है। यह वृक्ष एक अद्वितीय सुंदरता और जीवन की प्रचुरता का प्रतीक है।

विशेष :

1. तत्सम शब्दों का बाहुल्य है।
2. खड़ी बोली का प्रयोग किया गया है।
3. भाषा में प्रवाह है।
4. लेखक ने प्रकृति एवं कुटज से प्रेरणा ग्रहण करने का उपदेश दिया है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

31. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

आज के युग में मानव का प्रचार-प्रसार का दायरा व्यापक हो चुका है। अतः विज्ञापनों का होना अनिवार्य हो जाता है। किसी अच्छी वस्तु की वास्तविकता से परिचय पाना आज के विशाल संसार में विज्ञापन के बिना असंभव है। विज्ञापन ही वह शक्तिशाली माध्यम है, जो हमारी जरूरत की वस्तुएँ प्रस्तुत करता है, उनकी माँग बढ़ाता है और अंततः हम उन्हें जुटाने चल पड़ते हैं। कोई व्यक्ति या कंपनी जो किसी वस्तु का निर्माण करती है, उसे उत्पादक कहा जाता है। उन वस्तुओं और सेवाओं को खरीदनेवाला उपभोक्ता कहलाता है। विज्ञापन इन दोनों को जोड़ने का कार्य करता है। वह उत्पादक को उपभोक्ता के संपर्क में लाता है तथा माँग और पूर्ति में संतुलन स्थापित करने का प्रयत्न करता है। पुराने जमाने में किसी वस्तु की अच्छाई का विज्ञापन मौखिक तरीके से होता था। उस समय आवश्यकता भी कम होती थी तथा लोग किसी वस्तु के अभाव की तीव्रता का अनुभव नहीं करते थे। आज संचार क्रांति ने जिंदगी को गति दे दी है। मनुष्य की आवश्यकताएँ बढ़ती जा रही हैं। इसीलिए विज्ञापन मानव-जीवन की अनिवार्यता बन गए हैं।

(क) विज्ञापन मानव-जीवन के लिए क्यों अनिवार्य हैं?

उत्तर - विज्ञापन हमारी आवश्यक वस्तुओं से परिचय कराते हैं, उनकी माँग बढ़ाते हैं और उपभोक्ता व उत्पादक को जोड़ते हैं।

(ख) उत्पादक और उपभोक्ता के बीच के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - वस्तु या सेवा का निर्माण करने वाला उत्पादक कहलाता है, जबकि उन वस्तुओं या सेवाओं को खरीदने वाला उपभोक्ता कहलाता है।

(ग) प्राचीनकाल में प्रचार-प्रसार का क्या तरीका था?

उत्तर - प्राचीनकाल में वस्तुओं की अच्छाई का प्रचार-प्रसार मौखिक तरीके से किया जाता था।

(घ) प्रचार-प्रसार के साधनों ने विज्ञापनों को किस प्रकार प्रभावित किया है? लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।

उत्तर - संचार क्रांति और आधुनिक प्रचार-प्रसार ने विज्ञापनों को अधिक प्रभावी, व्यापक और अनिवार्य बना दिया है।

(ङ) विज्ञापनों का क्या उद्देश्य है?

उत्तर - विज्ञापनों का उद्देश्य उत्पादक और उपभोक्ता को जोड़ना, वस्तुओं की माँग बढ़ाना तथा पूर्ति में संतुलन स्थापित करना है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

32. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए :

(क) विकास कार्यक्रमों के प्रचार-प्रसार में संचार माध्यमों की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - विकास कार्यक्रमों के प्रचार-प्रसार में संचार माध्यमों की भूमिका निम्न है -

- **जानकारी का प्रसार –** संचार माध्यम सरकार द्वारा चलाई जा रही विकास योजनाओं की सही और समय पर जानकारी जनता तक पहुँचाते हैं।
- **जागरूकता निर्माण –** शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, रोजगार और गरीबी उन्मूलन जैसे विषयों पर लोगों को जागरूक करते हैं।
- **जनसहभागिता बढ़ाना –** जनता को योजनाओं से जोड़कर उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हैं।
- **सकारात्मक वातावरण बनाना –** योजनाओं के लाभ दिखाकर लोगों में विश्वास और आशा का वातावरण तैयार करते हैं।

(ख) संचार के मुद्रित माध्यम कौन-कौन से हैं? पर्वतीय क्षेत्रों में होने वाली बर्फ़बारी को आधार बनाकर एक समाचार लिखिए।

उत्तर - संचार के मुद्रित माध्यम वे साधन हैं जिनके द्वारा लिखित रूप में संदेश, विचार और सूचनाएँ लोगों तक पहुँचाई जाती हैं। इनके प्रमुख उदाहरण- समाचार-पत्र (अख़बार), पत्रिकाएँ, पुस्तकें, पोस्टर व पैम्पलेट पत्र (चिट्ठियाँ) आदि।

समाचार (पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फ़बारी पर)

शीर्षक : भारी बर्फ़बारी से जनजीवन ठप, पर्यटक उत्साहित

स्थान : शिमला, 2 सितम्बर

पर्वतीय क्षेत्रों में लगातार हो रही बर्फ़बारी से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। सड़कों पर बर्फ़ जमने से यातायात बाधित हुआ है और कई गाँवों का संपर्क टूट गया है। ठंड बढ़ने से लोग घरों में रहने को मजबूर हैं। हालांकि, पर्यटकों में बर्फ़बारी को लेकर उत्साह बना हुआ है। प्रशासन ने सावधानी बरतने की अपील की है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

33. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए :

(क) आपका नाम आयुषी/आयुष है। आपने कंप्यूटर विज्ञान में डिप्लोमा किया है। साहित्य भवन प्रकाशन में 'कंप्यूटर ऑपरेटर' का पद रिक्त है। इस पद पर आवेदन हेतु एक पत्र प्रबंधक को भेजने के लिए तैयार कीजिए।

उत्तर -

आयुषी

D-24, सुभाष नगर, दिल्ली

दिनांक : 07 अगस्त 2025

सेवा में,

प्रबंधक महोदय

साहित्य भवन प्रकाशन

12, ज्ञानलोक मार्ग, नई दिल्ली - 110001

विषय : कंप्यूटर ऑपरेटर पद के लिए आवेदन

मान्यवर,

सविनय निवेदन है कि 5 अगस्त 2025 के *नवभारत टाइम्स* से आपकी संस्था में कंप्यूटर ऑपरेटर पद रिक्त होने की जानकारी मिली। मैंने हाल ही में कंप्यूटर विज्ञान में डिप्लोमा प्राप्त किया है तथा कंप्यूटर संचालन, डेटा एंट्री और एमएस ऑफिस का अनुभव रखती हूँ। योग्यता विवरण संलग्न है। कृपया मुझे साक्षात्कार का अवसर प्रदान करने की कृपा करें।

व्यक्तिगत जानकारी

1. **नाम :** आयुषी
2. **जन्मतिथि :** 12/03/2001
3. **पता :** D-24, सुभाष नगर, दिल्ली, 1100XX
4. **संपर्क नंबर :** 6554454350
5. **ईमेल :** ayushi.singh123@gmail.com

शैक्षणिक योग्यता

परीक्षा/डिप्लोमा	संस्था	वर्ष	अंक/ग्रेड
10वीं	दिल्ली पब्लिक स्कूल, दिल्ली	2018	80%
12वीं	दिल्ली पब्लिक स्कूल, दिल्ली	2020	82%
डिप्लोमा -कंप्यूटर विज्ञान	आईटी इंस्टीट्यूट, दिल्ली	2023	75%

तकनीकी कौशल

- कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर में दक्षता
- माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस (Word, Excel, PowerPoint) का प्रयोग
- डेटा एंट्री और टाइपिंग में कौशल
- बेसिक प्रोग्रामिंग

भाषाएँ

- हिंदी - मातृभाषा
- अंग्रेजी - लेखन और बोलचाल में दक्ष

भवदीय

आयुषी

(ख) पत्र और प्रारूपण के बीच के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - पत्र और प्रारूपण के बीच के अंतर को निम्नलिखित बिन्दुओं के माध्यम से स्पष्ट किया जा सकता है-

क्रम संख्या	पत्र	प्रारूपण
1.	पत्र किसी व्यक्ति, संस्था या अधिकारी को लिखित संदेश या जानकारी पहुँचाने का साधन है।	किसी भी पत्र, सूचना या दस्तावेज़ के लिए एक प्रारंभिक या कच्चा रूप तैयार करना।
2.	पत्र औपचारिक और अनौपचारिक हो सकते हैं, जिनमें औपचारिक पत्रों में एक निश्चित प्रारूप होता है, जबकि अनौपचारिक पत्रों में लचीलापन होता है।	यह एक निर्धारित संरचना होती है, जैसे- पत्र में प्रेषक का पता, तिथि, संबोधन, विषय, समापन आदि का क्रम।
3.	पत्र का मुख्य उद्देश्य सूचना देना, अनुरोध करना, शिकायत करना, या संबंध बनाए रखना आदि।	प्रारूपण का उद्देश्य लेखन को व्यवस्थित और मानक रूप देना है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

34. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए :

(क) नेमी टिप्पण किसे कहते हैं? ये किस प्रयोजन से लिखे जाते हैं?

उत्तर - नेमी टिप्पण वे टिप्पणियाँ हैं जो सामयिक और रोज़मर्रा के कार्यों से संबंधित होती हैं, जैसे- अनुमोदन के लिए प्रस्तुत है, आवश्यक कार्रवाई कर दी गई है आदि। इसे निम्नलिखित प्रयोजनों से लिखा जाता है-

- सामान्य विचार-विमर्श और चर्चाओं से संबंधित टिप्पण।
- छोटी-मोटी बातों के स्पष्टीकरण के लिए टिप्पण।
- कार्यों के निपटारे को सरल और त्वरित बनाना।
- अधिकारियों को निर्णय लेने और विचार-विमर्श में सुविधा प्रदान करना आदि।

(ख) आपने अपना घर समान क्षेत्र में एक ब्लॉक से दूसरे ब्लॉक में लिया है। पुराने पते पर आने वाली डाक को नए पते पर देने का अनुरोध करते हुए डाकपाल महोदय को पत्र लिखिए।

उत्तर -

बी-12, ब्लॉक बी

समान क्षेत्र, दिल्ली - 1100XX

दिनांक : 2 सितम्बर 2025

सेवा में

डाकपाल महोदय,

समान क्षेत्र डाकघर,

दिल्ली - 1100XX

विषय : पुराने पते पर आने वाली डाक नए पते पर भिजवाने हेतु निवेदन।
महोदय,
सविनय निवेदन है कि मैं पूर्व में ब्लॉक-ए, समान क्षेत्र, दिल्ली में निवासरत थी। हाल ही में मैंने समान क्षेत्र के ही ब्लॉक-बी, मकान संख्या 12 में अपना निवास स्थान बदल लिया है। मेरे पुराने पते पर अब भी मेरे नाम की डाक आती रहती है। अतः आपसे विनम्र अनुरोध है कि कृपया मेरी समस्त डाक को मेरे नए पते (बी-12, ब्लॉक-डी, समान क्षेत्र, दिल्ली - 1100XX) पर प्रेषित करने की कृपा करें।
आपकी अति कृपा होगी।
भवदीया,
किरण शर्मा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

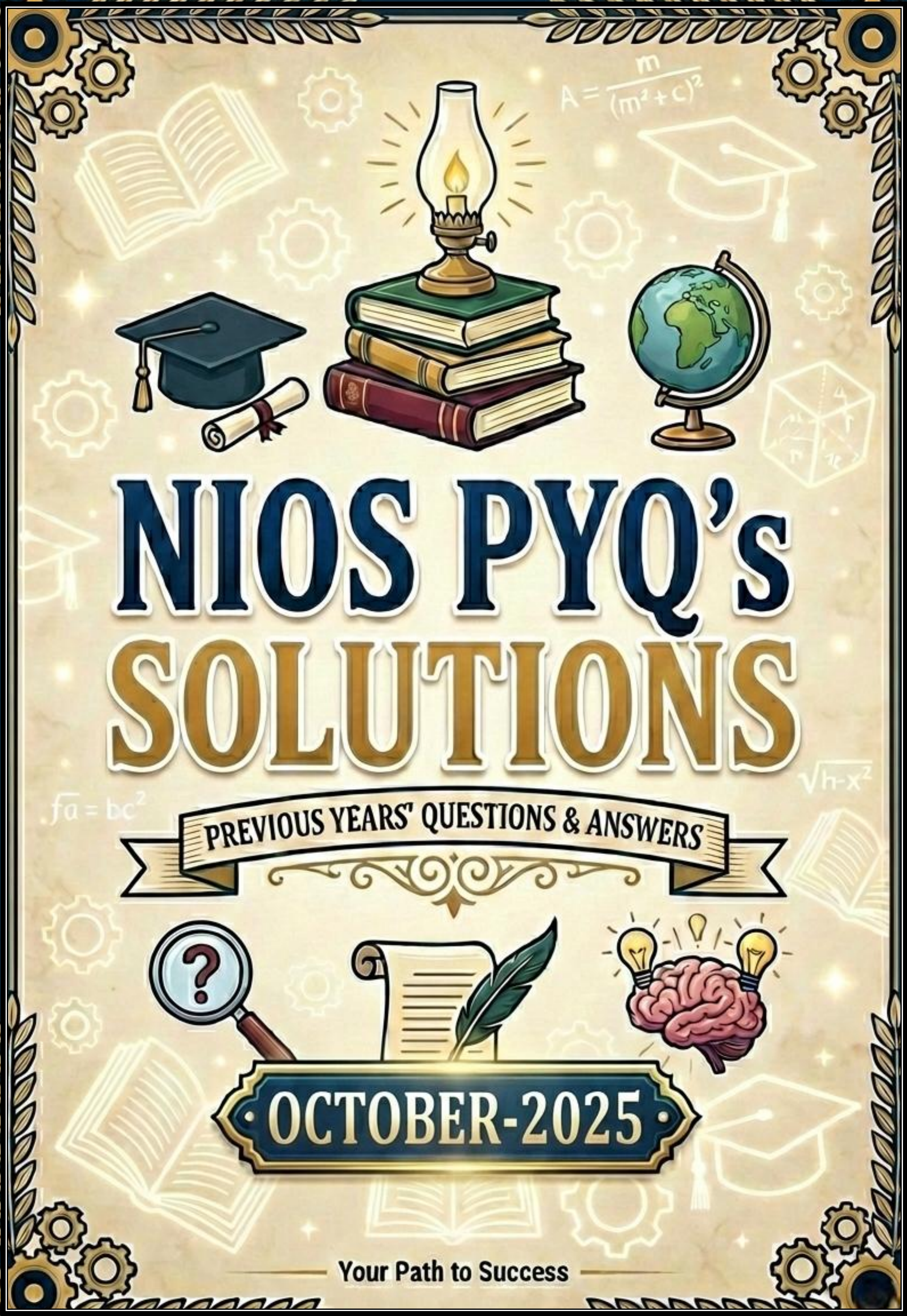
NIOS PYQ's
SOLUTIONS
PREVIOUS YEARS' QUESTIONS & ANSWERS
OCTOBER-2025
Your Path to Success

सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1 'रामचरित मानस' में किसकी कहानी कही गई है ?

(क) राम की

(ख) लक्ष्मण की

(ग) सीता की

(घ) हनुमान की

उत्तर - (क) राम की

2 'भरत का भ्रातृप्रेम' कविता में 'मुनिनाथ' शब्द से किसे संबोधित किया गया है ?

(क) विश्वामित्र

(ख) वशिष्ठ

(ग) सुमंत

(घ) जनक

उत्तर - (ख) वशिष्ठ

3. सीता सहित राम के वन जाने पर सबसे अधिक दुखी कौन थे ?

(क) भरत

(ख) कैकेयी

(ग) लक्ष्मण

(घ) सुमंत

उत्तर - (क) भरत

4 'नीरज नयन नेह जल बाढ़े' पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है -

(क) उपमा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ख) रूपक

(ग) वक्रोक्ति

(घ) यमक

उत्तर - (ख) रूपक

5 'वात्सल्य रस' का सम्राट किस कवि को माना जाता है ?

(क) बिहारी

(ख) मीरा

(ग) तुलसी

(घ) सूरदास

उत्तर - (घ) सूरदास

6. सूरदास के 'पद' में भौंरों के समूह से किसकी तुलना की गई है ?

(क) कपोल

(ख) मुख

(ग) केश

(घ) लोचन

उत्तर - (ग) केश

7. मीरा किसकी भक्ति करती थी ?

(क) राम

(ख) कृष्ण

(ग) शिव

(घ) विष्णु

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर - (ख) कृष्ण

8 'बिहारी' को किस काल का कवि माना जाता है ?

(क) आदिकाल

(ख) भक्तिकाल

(ग) रीतिकाल

(घ) आधुनिक काल

उत्तर - (ग) रीतिकाल

9. 'पद्माकर' की कविता में 'बीर' शब्द से किसे संबोधित किया गया है ?

(क) कृष्ण

(ख) सखी

(ग) चित्त

(घ) पद्माकर

उत्तर - (ख) सखी

10. 'परशुराम के उपदेश' कविता की पृष्ठभूमि है -

(क) अंग्रेजी शासन

(ख) भारत चीन युद्ध

(ग) भारत पाकिस्तान युद्ध

(घ) भारतीय युवा

उत्तर - (ख) भारत चीन युद्ध

11. अगणित उन्मादों के क्षण हैं पंक्ति में 'अगणित' का अर्थ है -

(क) बहुत

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ख) बिना गणित के

(ग) बिना गिने हुए

(घ) जिसे गिना न जा सके

उत्तर - (घ) जिसे गिना न जा सके

12. कवि सर्वेश्वर दयाल 'मशाल' उठाने के लिए किसे कहते हैं ?

(क) भेड़िया

(ख) शोषक

(ग) शोषित

(घ) नेता

उत्तर - (ग) शोषित

13. 'भेड़िया' किस वर्ग का प्रतीक है?

(क) शोषक

(ख) अमीर

(ग) किसान

(घ) पूँजीपति

उत्तर - (क) शोषक

14. दुष्यंत कुमार की गज़ल में गंगा निकलने से क्या अभिप्राय है?

(क) आंदोलन करना

(ख) समाधान निकलना

(ग) विद्रोह करना

(घ) समस्या पहचानना

उत्तर - (ख) समाधान निकलना

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

15. 'शामनाथ और उसकी धर्मपत्नी को पसीना पोंछने की फुर्सत न थी' इसका अर्थ है –

(क) दोनों बहुत व्यस्त थे।

(ख) दोनों बहुत ही चिंतित थे।

(ग) दोनों बहुत बेचैन थे।

(घ) दोनों बहुत ही उधेड़बुन में थे।

उत्तर - (क) दोनों बहुत व्यस्त थे।

16. तरूण वृद्ध को मंदिर में स्थापित करना क्यों चाहते थे ?

(क) उन्हें महान बनाने के लिए

(ख) उनके प्रति सम्मान हेतु

(ग) उन्हें आराम करने के लिए

(घ) निर्बाध रूप से काम करने के लिए

उत्तर - (क) उन्हें महान बनाने के लिए

17. लेखिका महादेवी ने नारी के वीर भाव को उदात्त क्यों माना है ?

(क) समूहगत राग-द्वेष से युक्त होने से

(ख) मातृशक्ति का दिव्य रक्षक उद्घारक रूप होने से

(ग) अहंकार की तृप्ति के कारण

(घ) चंडी और अंबा का रूप होने से

उत्तर - (ख) मातृशक्ति का दिव्य रक्षक उद्घारक रूप होने से

18. कुटज सौभाग्यशाली है, क्योंकि -

(क) फूलों से खूब लदा है।

(ख) संस्कृत साहित्य में इसका वर्णन है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ग) कालिदास ने इसे अपनाया था।

(घ) यह गिरिकूट पर उत्पन्न होता है।

उत्तर - (ग) कालिदास ने इसे अपनाया था।

19. हिंदी का पहला अखबार 'उद्दत मार्तंड' था -

(क) दैनिक

(ख) मासिक

(ग) पाक्षिक

(घ) साप्ताहिक

उत्तर - (घ) साप्ताहिक

20. हिंदी देवनागरी में टाइप करने का सबसे पहला कीबोर्ड है -

(क) इनस्क्रिप्ट कीबोर्ड

(ख) रेमिंग्टन कीबोर्ड

(ग) इंडिक कीबोर्ड

(घ) फोनेटिक टूल्स

उत्तर - (ख) रेमिंग्टन कीबोर्ड

21. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक वाक्य में लिखिए :

(i) 'चीफ़ की दावत' कहानी के लेखक का नाम लिखिए।

उत्तर - भीष्म साहनी

(ii) 'संयुक्त परिवार' कविता के कवि का नाम लिखिए।

उत्तर - राजेश जोशी

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(iii) 'सुभद्रा कुमारी चौहान' पाठ किस विधा की रचना है?

उत्तर - संस्मरणात्मक रेखाचित्र

22 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही/गलत में दीजिए :

(i) ब्लॉगर के लिए खुद का एक ब्लॉग होना आवश्यक होता है। (सही / गलत)

उत्तर - सही

(ii) युवाओं में स्मार्टफोन का आकर्षण बहुत है। (सही / गलत)

उत्तर - सही

(iii) टेलीविजन एक दृश्य-श्रव्य माध्यम है। (सही / गलत)

उत्तर – सही

23 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त वाले विकल्प को चुनकर लिखिए:

नक्शे में जंगल हैं पेड़ नहीं

नक्शे में नदियाँ हैं पानी नहीं

नक्शे में पहाड़ हैं पत्थर नहीं

नक्शे में देश है लोग नहीं

समझ ही गये होंगे आप कि हम सब

एक नक्शे में रहते हैं

हमारी पैंटों और चप्पलों से लेकर

वल्दियत और चोटों के निशान

नब्ज रक्तचाप और तापमान

स्वप्न और स्मृतियों सहित नप चुके हैं

और नक्शे तैयार हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(i) 'वल्दियत' का क्या अर्थ है?

(क) माँ का नाम

(ख) पिता का नाम

(ग) अपना नाम

(घ) भाई का नाम

उत्तर - (ख) पिता का नाम

(ii) 'नक्शे' को आप किस अर्थ में देखते हैं ?

(क) भौगोलिक

(ख) ऐतिहासिक

(ग) साहित्यिक

(घ) सांस्कृतिक

उत्तर - (क) भौगोलिक

(iii) नक्शे में देश है लोग नहीं पंक्ति का निष्कर्ष है -

(क) लोग से ही नक्शे की पहचान

(ख) नक्शे का महत्व लोग से है

(ग) नक्शे से अधिक लोग का महत्व है

(घ) लोग से अधिक महत्व नक्शे का है

उत्तर - (ग) नक्शे से अधिक लोग का महत्व है

(iv) पहाड़ है पत्थर नहीं से अभिप्राय है -

(क) पहाड़ बिना पत्थर के

(ख) रूप है गुण नहीं है

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ग) पत्थर के बिना पहाड़ नहीं होता

(घ) अस्तित्वहीन समाज

उत्तर - (ख) रूप है गुण नहीं है

(v) 'नप चुकने' का क्या अर्थ है ?

(क) खत्म हो जाना

(ख) महत्वहीन होना

(ग) दूरी निर्धारण

(घ) मापन होना

उत्तर - (घ) मापन होना

(vi) पैंटों और चप्पलों से कवि किस ओर संकेत करता है?

(क) छोटी चीजें

(ख) उपयोगी चीजें

(ग) दैनिक उपयोगी चीजें

(घ) आवश्यक चीजें

उत्तर - (ग) दैनिक उपयोगी चीजें

(vii) रक्तचाप और तापमान का प्रयोग कवि ने क्यों किया है ?

(क) वस्तु का महत्व बताने के लिए

(ख) बीमारी का नाम बताने के लिए

(ग) शरीर का हिस्सा बताने के लिए

(घ) शारीरिक बीमारियों के भी नक्शों में शामिल होने के लिए

उत्तर - (घ) शारीरिक बीमारियों के भी नक्शों में शामिल होने के लिए

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

24. दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए :

अपराह्न जब मैं 'सेल्यूलर जेल' गया तो मैंने देखा, अपनी सभ्यता पर नाज़ करने वाले अंग्रेज़ कितने कुरूप, बदशक्ल, मनहूस अमानुषिक कारागृह खड़े कर सकते हैं। मानवीय स्वतंत्रता की पक्षधरता का दावा करने वाली गोरी जाति किस तरह इंसान को उन सींखचों में एक नहीं, दो-दो दशक, दस-दस, बीस-बीस वर्ष कैद कर रख सकती है। इन सींखचों में जहाँ से कोई निकल नहीं सकता और कोई प्रवेश नहीं कर सकता। एक पतली सी सूरज की किरण को छोड़कर जो संसार को सुखभरी नींद से जगाती है; लोग-बाग अँगड़ाइयाँ लेते, ओठों पर मुस्कान लिए उठते हैं, किरण जो औरों के लिए आशा का संदेश लिए आती है।

(i) गद्यांश के लेखक हैं -

(क) श्रीकांत वर्मा

(ख) दुष्यंत कुमार

(ग) श्रीराम शर्मा

(घ) भीष्म साहनी

उत्तर - (क) श्रीकांत वर्मा

(ii) 'अपराह्न' का अर्थ है -

(क) सुबह

(ख) सुबह के बाद

(ग) दोपहर

(घ) दोपहर के बाद

उत्तर - (घ) दोपहर के बाद

(iii) गद्यांश के पाठ का नाम है -

(क) अंडमान डायरी

(ख) कुटज

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ग) दो कलाकार

(घ) चीफ की दावत

उत्तर - (क) अंडमान डायरी

(iv) 'अमानुषिक' का उपयुक्त अर्थ है -

(क) मनुष्य के लिए

(ख) मनुष्य के बिना

(ग) जो मनुष्य के योग्य

(घ) जो मनुष्य के योग्य नहीं हो

उत्तर - (घ) जो मनुष्य के योग्य नहीं हो

(v) सूरज की किरणें किस बात का संदेश देती है ?

(क) दिन निकलने का

(ख) जीवन में निराशा का

(ग) अच्छे दिन का

(घ) जीवन के प्रति आशा का

उत्तर - (घ) जीवन के प्रति आशा का

(vi) 'गोरी जाति' किसे कहा गया है ?

(क) गोरे रंग वाले को

(ख) अंग्रेजों को

(ग) कैदियों को

(घ) आशा रखने वाले को

उत्तर - (ख) अंग्रेजों को

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(vii) अंग्रेजों को कुरुप कहने के क्या कारण हैं ?

(क) उनका रंग

(ख) उनका रूप

(ग) शारीरिक संरचना

(घ) सेनानियों के साथ बर्ताव

उत्तर - (घ) सेनानियों के साथ बर्ताव

25. निम्नलिखित व्याकरण संबंधी प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

(i) विलोम शब्द लिखिए

(क) सुगम

(ख) कृपण

उत्तर -

(क) सुगम : दुर्गम

(ख) कृपण : दानी (या उदार)

(ii) उपसर्ग/प्रत्यय अलग कीजिए

(क) प्रतिपल

(ख) धार्मिक

उत्तर -

(क) प्रतिपल : प्रति (उपसर्ग) + पल (मूल शब्द)

(ख) धार्मिक : धर्म (मूल शब्द) + इक (प्रत्यय)

(iii) निम्नलिखित वाक्य में विराम चिह्न लगाकर पुनः लिखिए : हाय डर के रमेश घर से नहीं निकला

उत्तर - हाय! डर के कारण रमेश घर से नहीं निकला। *(या: हाय! डर के मारे रमेश घर से नहीं निकला।)*

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(iv) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए :

(क) शनिवार को सुधीरा घर आएगी।

उत्तर - सुधीरा शनिवार को घर आएगी।

(ख) बहुत तेज धूप आज निकली है।

उत्तर - आज बहुत तेज़ धूप निकली है।

(v) संयुक्त वाक्य का एक उदाहरण लिखिए।

उत्तर - राम पढ़ रहा है और श्याम खेल रहा है।

(vi) निम्नलिखित का शुद्ध रूप लिखिए :

(क) न्यौता

(ख) उज्जवल

उत्तर -

(क) न्यौता : न्योता

(ख) उज्जवल : उज्ज्वल

(vii) निम्नलिखित को भाववाच्य में बदलिए : मैं हँस नहीं सकता।

उत्तर - मुझसे हँसा नहीं जाता।

(viii) संधि विच्छेद कीजिए : कृष्णोत्सव, विद्यालय

उत्तर -

- **कृष्णोत्सव :** कृष्ण + उत्सव (गुण स्वर संधि)
- **विद्यालय :** विद्या + आलय (दीर्घ स्वर संधि)

(ix) विग्रहसहित समास का नाम लिखिए। मातृसेवा या सीता-राम

उत्तर -

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

- **मातृसेवा :** माता की सेवा (तत्पुरुष समास - संबंध तत्पुरुष)
- **सीता-राम :** सीता और राम (द्वंद्व समास)

(x) 'अक' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए।

उत्तर -

- **लेख + अक** = लेखक
- **पाठ + अक** = पाठक

26. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(i) भेड़िया गुर्राता है
तुम मशाल जलाओ।
उसमें और तुममें यही
बुनियादी फर्क है
भेड़िया मशाल नहीं जला सकता।
अब तुम मशाल उठा
भेड़िये के करीब जाओ
भेड़िया भागेगा।

उत्तर -

भेड़िया गुर्राता .... भेड़िया भागेगा।

प्रसंग : प्रस्तुत काव्यांश प्रसिद्ध कवि 'सर्वेश्वरदयाल सक्सेना' की रचना है इस कविता में कवि ने 'भेड़िये' को शोषक और अत्याचारी वर्ग का प्रतीक माना है और आम आदमी को इन अत्याचारियों के खिलाफ निडर होकर संघर्ष करने की प्रेरणा दी है।

व्याख्या : कवि आम जनता (शोषित वर्ग) को संबोधित करते हुए कहता है कि जब भेड़िया (यानी समाज के अत्याचारी, क्रूर और लालची लोग) तुम पर गुर्राए या तुम्हें डराने की कोशिश करे, तो तुम्हें डरने के बजाय अपनी 'मशाल' जलानी चाहिए। कवि बताता है कि एक इंसान और एक हिंसक जानवर में सबसे बड़ा और बुनियादी अंतर यही है कि जानवर सिर्फ डरा सकता है या गुर्रा सकता है, लेकिन वह कभी आग या मशाल नहीं जला सकता। मनुष्य के पास चेतना और ज्ञान की आग

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

होती है। इसलिए कवि कहता है कि अब तुम अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो जाओ और चेतना की यह मशाल उठाकर उस शोषक रूपी भेड़िये के सामने डटकर खड़े हो जाओ। जब तुम एकजुट होकर साहस दिखाओगे, तो वह अत्याचारी भेड़िया जरूर डरकर भाग जाएगा।

विशेष -

1. यहाँ 'भेड़िया' अत्याचारी/शोषक वर्ग का और 'मशाल' जनता की जागरूकता व सामूहिक शक्ति का प्रतीक है।
2. आम बोलचाल की अत्यंत सरल और सहज भाषा का प्रयोग किया गया है।
3. कविता में प्रतीकात्मकता है जो आम जनता में साहस और संगठन की भावना भरती है।

अथवा

(ii) एकै संग धाए नंदलाल औ गुलाल दोऊ,

दृगनि गए जु भरि आनंद मढ़े नहीं।

धोय-धोय हारी, 'पद्माकर' तिहारी सौंह,

अब तौ उपाय एक चित्त मैं चढ़े नहीं।

उत्तर -

एकै संग धाए .... मैं चढ़े नहीं।

प्रसंग : प्रस्तुत काव्यांश रीतिकाल के प्रसिद्ध कवि **'पद्माकर'** द्वारा रचित है। इसमें होली के त्योहार का बहुत ही सजीव और मनमोहक वर्णन किया गया है। फाल्गुन महीने में गोपी और श्रीकृष्ण के बीच होली खेलने के दौरान गोपी की प्रेम-विभोर दशा का बहुत ही सुंदर चित्रण किया गया है।

व्याख्या : इस कवित्त में गोपिका अपने प्रेम और व्यथा को बड़ी सजीवता से प्रस्तुत करती है। कवित्त का प्रसंग होली, यानी फाग, के उत्सव से जुड़ा है, जिसमें अबीर-गुलाल उछालना और खेलना मुख्य रिवाज़ है। कवित्त में बताया गया है कि उड़ता गुलाल गोपिका की आँख में चला गया है उसके साथ नंदलाल भी आँख में बस गए है अबीर तो धो-धोकर निकाला जा सकता है, लेकिन अहीर यानी कृष्ण का प्रेम दूर करना संभव नहीं है। गोपिका बार-बार आँखें धोकर भी सफलता नहीं पा रही है और वह बहुत व्याकुल और विवश महसूस कर रही है। वह सोचती है कि इस व्यथा को किसे बताए, कौन सुने और

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

किस तरह इसका समाधान निकले। इस कवित्त में अबीर के निकलने और अहीर के न निकलने के माध्यम से प्रेम की गहराई और गोपिका की व्यथा को चित्रित किया गया है।

विशेष –

1) भाषा ब्रज में सरल, भावपूर्ण और रसयुक्त है।
2) अनुप्रास अलंकार जैसे "धोय-धोय हारी" और यमक अलंकार जैसे "कढ़िगो अबीर, पै अहीर तो कढ़े नहीं" का प्रयोग भाव और ध्वनि को सुंदर बनाता है।
3) कवित्त में गोपिका की अधीरता, अकुलाहट और विवशता अत्यंत मार्मिक रूप से व्यक्त हुई है।

27. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर 50-60 शब्दों में लिखिए :

(क) भरत के अनुसार राम के स्वभाव की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर - भरत के अनुसार उनके बड़े भाई राम का स्वभाव अत्यंत दयालु और क्षमाशील है। वे बताते हैं कि राम कभी किसी अपराधी पर भी क्रोध नहीं करते हैं। भरत पर तो उनकी विशेष कृपा और स्नेह रहा है; बचपन में साथ खेलते समय भी राम ने कभी उन पर गुस्सा नहीं किया और न ही कभी उनका दिल दुखाया। इसके विपरीत, राम की कृपा और बड़प्पन ऐसा है कि वे खेल में हारे हुए भरत को भी हमेशा जिता दिया करते थे।

(ख) कवि दिनकर ने 'बाँहों की विभा' संभालने के लिए क्यों कहा है?

उत्तर - कवि दिनकर ने 'बाँहों की विभा' संभालने के लिए इसलिए कहा है क्योंकि केवल ज्ञान और विनम्रता से राष्ट्र की रक्षा नहीं हो सकती। देश की स्वतंत्रता, सम्मान और सुरक्षा बनाए रखने के लिए शक्ति, साहस और पराक्रम भी आवश्यक हैं। अन्याय और शत्रुओं का सामना करने के लिए व्यक्ति और राष्ट्र को सदैव सशक्त रहना चाहिए।

(ग) 'गजल' में 'लाश' शब्द का प्रयोग कर कवि क्या कहना चाहता है?

उत्तर - दुष्यंत कुमार की ग़ज़ल में 'लाश' शब्द का प्रयोग समाज के उन शोषित, पीड़ित और उपेक्षित लोगों के लिए किया गया है, जो सदियों से अन्याय सहते-सहते भीतर से मृतप्राय (निष्क्रिय) और चेतना शून्य हो चुके हैं। कवि चाहता है कि अन्याय के खिलाफ ये लोग भी जागृत हों और अपने अधिकारों के लिए हाथ लहराते हुए व्यवस्था के खिलाफ सक्रिय रूप से संघर्ष करें।

28. निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

शांति नहीं तब तक, जब तक

सुख भाग न सबका सम हो।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

नहीं किसी को बहुत अधिक हो

नहीं किसी को कम हो।

स्वत्व माँगने से न मिले,

संघात पाप हो जाएँ।

बोलो धर्मराज, शोषित वे

जिएँ या कि मिट जाएँ ?

न्यायोचित अधिकार माँगने

से न मिले, तो लड़ के

तेजस्वी छीनते समय को

जीत, या कि खुद मर के।

किसने कहा पाप है? अनुचित

स्वत्व-प्राप्ति हित लड़ना?

उठा न्याय का खड्ग समर में

अभय मारना-मरना?

(i) काव्यांश के अनुसार विश्व में शांति किस प्रकार संभव है?

उत्तर - विश्व में शांति तभी संभव है जब सभी लोगों को समान रूप से सुख मिले और किसी के पास बहुत अधिक तथा किसी के पास बहुत कम न हो।

(ii) तेजस्वी पुरुष समय को किस प्रकार छीन लेते हैं?

उत्तर - तेजस्वी पुरुष अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करके समय को जीत लेते हैं या फिर संघर्ष करते हुए प्राण न्योछावर कर देते हैं।

(iii) न्यायोचित अधिकार प्राप्ति के लिए मनुष्य को क्या करना चाहिए?

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर - यदि न्यायोचित अधिकार माँगने पर न मिले, तो मनुष्य को साहसपूर्वक संघर्ष करना चाहिए।

(iv) काव्यांश के अनुसार अनुचित और पाप क्या नहीं है?

उत्तर - अपने उचित अधिकारों की प्राप्ति के लिए संघर्ष करना अनुचित और पाप नहीं है।

(v) आपकी दृष्टि में अन्याय का विरोध किस प्रकार किया जा सकता है? उदाहरण सहित संक्षिप्त उत्तर दीजिए।

उत्तर - मेरी दृष्टि में अन्याय का विरोध सत्य, साहस और एकता के साथ करना चाहिए। उदाहरण के लिए, यदि किसी कर्मचारी को उसका उचित वेतन न मिले, तो वह कानूनी और शांतिपूर्ण तरीके से अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा सकता है।

29. निम्नलिखित गद्यांश की व्याख्या कीजिए :

(i) मगर कोठरी में बैठने की देर थी कि आँखों से छल-छल आँसू बहने लगे। वह दुपट्टे से बार-बार उन्हें पोंछती पर वह बार-बार उमड़ आते, जैसे बरसों का बाँधा तोड़कर उमड़ आए हों। माँ ने बहुतेरा दिल को समझाया, हाथ जोड़े, भगवान का नाम लिया, बेटे के चिरायु होने की प्रार्थना की, बार-बार आँखें बंद कीं मगर आँसू बरसात के पानी की तरह जैसे थमने में ही न आते थे।

उत्तर -

मगर कोठरी में .... ही न आते थे।

प्रसंग : यह गद्यांश भीष्म साहनी द्वारा लिखित प्रसिद्ध कहानी '**चीफ की दावत**' से लिया गया है। यह अंश उस समय का है जब माँ चुपचाप कोठरी में जाती है और बेटे के इस अपमानजनक व्यवहार से अंदर ही अंदर पूरी तरह टूट जाती है।

व्याख्या : लेखक कहते हैं कि जैसे ही बूढ़ी माँ अपनी कोठरी (छोटे कमरे) में जाकर बैठी, उसके दुख का सब्र टूट गया और उसकी आँखों से छलक-छलक कर लगातार आँसू बहने लगे। वह अपने दुपट्टे से बार-बार आँसू पोंछने की कोशिश कर रही थी, लेकिन आँसू रुकने का नाम नहीं ले रहे थे। उसके रोने को देखकर ऐसा लग रहा था मानो उसके मन में सालों से दबा हुआ दर्द और दुख आज सारा बाँध तोड़कर बाहर आ गया हो।

माँ ने अपने दुखी मन को बहुत समझाने की कोशिश की। उसने अपने बेटे की इस हरकत को भुलाकर हाथ जोड़े, भगवान का नाम लिया और इस बुरी स्थिति में भी अपने बेटे की लंबी उम्र (चिरायु) और तरक्की की ही प्रार्थना की। उसने रोना रोकने के लिए बार-बार अपनी आँखें बंद कीं, लेकिन उसके आँसू बरसात के पानी की तरह लगातार बह रहे थे और किसी भी तरह थम नहीं रहे थे।

विशेष -

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

1) भाषा सरल, भावपूर्ण और आम बोलचाल की है। 'बरसों का बाँध टूटना' जैसे प्रयोगों से दृश्य सजीव हो उठा है।
2) आधुनिक समाज में वृद्धों की उपेक्षा और उनके अकेलेपन का अत्यंत मार्मिक चित्रण हुआ है।
3) बेटे के स्वार्थी और अपमानजनक व्यवहार के बावजूद माँ के निस्वार्थ प्रेम को दर्शाया गया है।

अथवा

(ii) गोपाल प्रसाद : यह पढ़ाई-लिखाई के बारे में !.... जी हाँ साफ बात है साहब, हमें ज्यादा पढ़ी-लिखी लड़की नहीं चाहिए। मेम साहब तो रखनी नहीं, कौन भुगतेगा उनके नखरों को। बस हद से हद मैट्रिक पास होनी चाहिए... क्यों शंकर ?

उत्तर -

गोपाल प्रसाद : यह .... क्यों शंकर ?

प्रसंग : यह गद्यांश जगदीशचन्द्र माथुर जी द्वारा रचित प्रसिद्ध एकांकी (नाटक) 'रीढ़ की हड्डी' से लिया गया है। इस नाटक में समाज में लड़कियों की शिक्षा और उनके विवाह को लेकर लोगों की दकियानूसी (पिछड़ी) सोच पर करारा व्यंग्य किया गया है।

व्याख्या : गोपाल प्रसाद लड़की के पिता से अपनी शर्त बहुत ही स्पष्ट और बेपाक लहजे में बताते हुए कहते हैं कि उन्हें अपने घर के लिए ज्यादा पढ़ी-लिखी बहू बिल्कुल नहीं चाहिए। उनका यह मानना है कि ज्यादा पढ़ी-लिखी लड़कियाँ 'मेम साहब' यानी बहुत अधिक आधुनिक और स्वतंत्र विचारों वाली बन जाती हैं, जिनके नखरे उठाना उनके लिए संभव नहीं है। गोपाल प्रसाद के अनुसार, उनके घर की बहू के लिए हद-से-हद दसवीं (मैट्रिक) पास होना ही काफी है, उससे ज्यादा नहीं। अपनी इसी पिछड़ी सोच पर मुहर लगाने के लिए वह अपने बेटे शंकर से भी पूछते हैं, "क्यों शंकर?"

विशेष -

1) संवाद की भाषा अत्यंत सरल, सजीव और आम बोलचाल की है।
2) गोपाल प्रसाद की पुरुष-प्रधान, पिछड़ी और महिला-शिक्षा विरोधी सोच को स्पष्ट रूप से उजागर किया गया है।
3) घर के लिए 'कम पढ़ी-लिखी बहू' चाहने वाले समाज की दोहरी मानसिकता का पर्दाफाश हुआ है।

30. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर 50-60 शब्दों में लिखिए :

(क) 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ एक व्यंग्य रचना है, कैसे ?

उत्तर - हरिशंकर परसाई रचित 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' एक उत्कृष्ट व्यंग्य है। इसमें पुरानी और नई पीढ़ी के बीच के सत्ता-संघर्ष और स्वार्थ पर करारा प्रहार किया गया है। पुरानी पीढ़ी अपना एकाधिकार छोड़ना नहीं चाहती और नई पीढ़ी उन्हें

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

'सम्मान' के बहाने किनारे करके उनके अधिकारों पर कब्ज़ा करना चाहती है। यह समाज की इसी दोहरी मानसिकता को उजागर करता है।

(ख) गणित जैसे विषय में मन लगाने के बजाय कविता लिखने को मूर्खतापूर्ण मानने के क्या कारण हो सकते हैं ?

उत्तर - तत्कालीन समाज में गणित को एक उपयोगी, तर्कसंगत और भविष्य संवारने वाला (करियर-ओरिएंटेड) विषय माना जाता था। इसके विपरीत, कविता लिखने को केवल भावुकता और समय की बर्बादी समझा जाता था। लोगों की व्यावहारिक और छोटी मानसिकता के अनुसार, कविता से कोई आर्थिक लाभ नहीं था; इसलिए गणित छोड़कर कविता लिखने को मूर्खतापूर्ण कार्य माना जाता था।

(ग) कठिन परिस्थितियों में भी प्रसन्नतापूर्वक जीने की कला 'कुटज' से कैसे सीखा जा सकता है ?

उत्तर - 'कुटज' हिमालय की सूखी और कठोर चट्टानों के बीच भयंकर गर्मी और तूफानों को सहकर भी हरा-भरा रहता है। वह विपरीत परिस्थितियों के आगे घुटने टेकने के बजाय चट्टानों से अपना पोषण प्राप्त करता है। 'कुटज' हमें सिखाता है कि जीवन में चाहे कितनी भी कठिनाइयां आएं, हमें आत्मविश्वास, अजेय जीवन-शक्ति और प्रसन्नता के साथ उनका डटकर सामना करना चाहिए।

31. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

संघर्ष के मार्ग पर अकेले ही चलना पड़ता है। कोई बाहरी शक्ति आपकी सहायता नहीं करती है। परिश्रम, दृढ़ इच्छा शक्ति व लगन आदि मानवीय गुण व्यक्ति को संघर्ष करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। दो महत्वपूर्ण तथ्य स्मरणीय हैं - प्रत्येक समस्या अपने साथ संघर्ष लेकर आती है। प्रत्येक संघर्ष के गर्भ में विजय निहित रहती है। एक अध्यापक द्वारा अपने शिष्य को यह संदेश दिया गया था - तुम्हें जीवन में सफल होने के लिए समस्याओं से संघर्ष करने का अभ्यास करना होगा। हम कोई भी कार्य करें, सर्वोच्च शिखर पर पहुँचने का संकल्प लेकर चलें। सफलता हमें कभी निराश नहीं करेगी। समस्त ग्रंथों और महापुरुषों के अनुभवों का निष्कर्ष यह है कि संघर्ष से डरना अथवा उससे विमुख होना अहितकर है, मानव धर्म के प्रतिकूल है। अपने विकास को अनावश्यक रूप से बाधित करना है। आप जागिए, उठिए, दृढ़-इच्छाशक्ति-संकल्प और उत्साह एवं साहस के साथ संघर्ष रूपी विजय रथ पर चढ़िए और अपने जीवन के विकास की बाधाओं रूपी शत्रुओं पर विजय प्राप्त कीजिए।

(क) संघर्ष के मार्ग पर अकेले ही क्यों चलना पड़ता है?

उत्तर - गद्यांश के अनुसार, संघर्ष के मार्ग पर अकेले इसलिए चलना पड़ता है क्योंकि इस मार्ग पर कोई भी बाहरी शक्ति व्यक्ति की सहायता नहीं करती है; उसे स्वयं ही अपनी लड़ाई लड़नी पड़ती है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ख) जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए किन गुणों की आवश्यकता होती है?

उत्तर - जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए मुख्य रूप से परिश्रम, दृढ़ इच्छाशक्ति और लगन जैसे मानवीय गुणों की आवश्यकता होती है।

(ग) गुरु द्वारा शिष्य को क्या संदेश दिया गया?

उत्तर - गुरु द्वारा शिष्य को यह संदेश दिया गया कि जीवन में सफल होने के लिए समस्याओं से संघर्ष करने का निरंतर अभ्यास करना होगा। साथ ही, व्यक्ति जो भी कार्य करे, उसे सर्वोच्च शिखर (सबसे ऊँचे मुकाम) पर पहुँचने का संकल्प लेकर चलना चाहिए।

(घ) ग्रंथों और महापुरुषों के अनुभवों का क्या निष्कर्ष है?

उत्तर - समस्त ग्रंथों और महापुरुषों के अनुभवों का यह निष्कर्ष है कि संघर्ष से डरना या उससे मुँह मोड़ना (विमुख होना) मनुष्य के लिए अहितकर और उसके धर्म के विरुद्ध है। संघर्ष से भागना अपने ही विकास को अनावश्यक रूप से रोकने (बाधित करने) के समान है।

(ङ.) अपने जीवन के किसी ऐसे अनुभव का उल्लेख कीजिए जब आपने संघर्ष के बल पर सफलता प्राप्त की हो।

उत्तर - "एक बार मेरी वार्षिक परीक्षाओं से ठीक पहले मैं गंभीर रूप से बीमार पड़ गई थी, जिससे मेरी पढ़ाई का बहुत नुकसान हो गया था। जब मैं ठीक हुई तो मेरे पास समय बहुत कम था और सिलेबस बहुत ज्यादा। लेकिन मैंने हार नहीं मानी। मैंने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और लगन के साथ दिन-रात एक करके परिश्रम (संघर्ष) किया और अंततः परीक्षा में बहुत अच्छे अंकों से सफलता प्राप्त की।"

32. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिए :

(क) 'औपचारिक पत्र' से आप क्या समझते हैं?

उत्तर - औपचारिक पत्र (Formal Letter) उन पत्रों को कहा जाता है जो निजी संबंधों से हटकर सरकारी, अर्ध-सरकारी, व्यावसायिक, संपादक या किसी संस्थान के अधिकारियों को लिखे जाते हैं। इनका मुख्य उद्देश्य किसी समस्या की शिकायत करना, जानकारी मांगना, आवेदन करना या सुझाव देना होता है। इन पत्रों की भाषा पूर्णतः शिष्ट, संक्षिप्त, स्पष्ट और निर्धारित प्रारूप (format) में होती है, जिसमें अनावश्यक विस्तार नहीं होता।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ख) अपनी शैक्षणिक योग्यता और अनुभव का परिचय देते हुए अ.ब.स. विद्यालय के प्रबंधक को हिंदी के प्राध्यापक पद हेतु आवेदन पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए।

उत्तर -

विकास नगर,

दिल्ली – 1100XX

दिनांक : 12/06/2026

सेवा में,

प्रबंधक महोदय,

अ.ब.स. विद्यालय, दिल्ली।

विषय : हिंदी प्राध्यापक पद हेतु आवेदन।

महोदय,

आपके प्रतिष्ठित विद्यालय द्वारा समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापन के संदर्भ में, मैं हिंदी प्राध्यापक के पद हेतु अपना आवेदन प्रस्तुत कर रहा हूँ। मैंने दिल्ली विश्वविद्यालय से हिंदी में एम.ए. तथा बी.एड. की डिग्री प्राप्त की है। मुझे किसी अन्य प्रतिष्ठित विद्यालय में पढ़ाने का तीन वर्षों का अनुभव भी प्राप्त है। मेरी शिक्षण पद्धति विद्यार्थियों के बौद्धिक और सर्वांगीण विकास पर केंद्रित रहती है।

मैं इस पद हेतु अपनी योग्यता और अनुभव के आधार पर पूर्णतः उपयुक्त हूँ। यदि मुझे सेवा का अवसर दिया गया, तो मैं अपनी निष्ठा और कड़ी मेहनत से विद्यालय के शैक्षिक स्तर को ऊँचा उठाने का हर संभव प्रयास करूँगा।

मेरी शैक्षणिक योग्यता, अनुभव एवं अन्य विवरण निम्नलिखित हैं:

1. व्यक्तिगत विवरण

- **नाम:** आकाश
- **जन्मतिथि:** 13/03/2004
- **स्थायी पता:** [आपका पता]

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

- **मोबाइल नंबर:** [आपका नंबर]
- **ईमेल:** [आपका ईमेल]

2. शैक्षणिक योग्यता (Educational Qualifications)

परीक्षा / डिग्री	बोर्ड / विश्वविद्यालय	वर्ष	प्रतिशत / ग्रेड
यूजीसी नेट (UGC NET)	यूजीसी (UGC)	2019	उत्तीर्ण (सहायक प्राध्यापक हेतु योग्य)
एम.ए. (हिंदी साहित्य)	दिल्ली विश्वविद्यालय	2018	72% (प्रथम श्रेणी)
बी.एड. (B.Ed.)	महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (MDU)	2016	76% (प्रथम श्रेणी)
बी.ए. (हिंदी प्रतिष्ठा)	दिल्ली विश्वविद्यालय	2014	68% (प्रथम श्रेणी)
इंटरमीडिएट (12वीं)	सीबीएसई (CBSE) बोर्ड	2011	85%

3. अन्य योग्यताएँ एवं रुचियाँ

- कंप्यूटर का बेसिक ज्ञान (MS Office, डिजिटल क्लासरूम का अनुभव)।
- रचनात्मक लेखन, कविता पाठ और नाटक मंचन में विशेष रुचि।

4. कार्य अनुभव (Work Experience)

- **पद:** हिंदी प्राध्यापक (PGT - Hindi)
- **वर्तमान कार्यरत संस्था:** डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, रोहिणी, दिल्ली
- **अनुभव अवधि:** जुलाई 2021 से वर्तमान समय तक (लगभग 5 वर्ष)
- **मुख्य उत्तरदायित्व एवं उपलब्धियाँ:**

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

- कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को केंद्रीय बोर्ड (CBSE) के पाठ्यक्रम के अनुसार अध्यापन।
- पिछले तीन वर्षों में बोर्ड परीक्षा में शत-प्रतिशत (100%) उत्तम परीक्षा परिणाम सुनिश्चित करना।
- विद्यालय की साहित्यिक पत्रिका का मुख्य संपादन और अंतर-विद्यालयी वाद-विवाद प्रतियोगिता का सफल संचालन।

धन्यवाद।

भवदीय,

आकाश

संपर्क: [फोन नंबर]

33. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 50-60 शब्दों में लिखिए :

(क) लोकतांत्रिक प्रवृत्ति के विकास में अखबार की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - अखबार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है। यह जनता और सरकार के बीच एक सेतु (पुल) का कार्य करता है। अखबार जनमत तैयार करने, सरकारी नीतियों का विश्लेषण करने और भ्रष्टाचार को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्वतंत्र और निष्पक्ष समाचार पत्र नागरिकों को शिक्षित करते हैं, जिससे वे अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक होते हैं, जो एक स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अनिवार्य है।

(ख) कार्यालयी हिंदी पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तर - कार्यालयी हिंदी का तात्पर्य उस हिंदी से है जिसका प्रयोग सरकारी और गैर-सरकारी कार्यालयों के प्रशासनिक कार्यों में किया जाता है। इसकी भाषा अत्यंत स्पष्ट, सटीक, निश्चित और वस्तुनिष्ठ होती है। इसमें मुहावरों और साहित्यिक अलंकारों का स्थान नहीं होता। टिप्पण, प्रारूपण (Drafting), पत्राचार और अनुस्मारक जैसे कार्य इसी भाषा के माध्यम से संपन्न किए जाते हैं, ताकि प्रशासनिक कार्यों में एकरूपता और पारदर्शिता बनी रहे।

34. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 80-100 शब्दों में लिखिए :

(क) 'ब्लॉग' की उपयोगिता पर टिप्पणी कीजिए तथा एक ब्लॉग लिखकर प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर - ब्लॉग (Blog) इंटरनेट पर उपलब्ध एक डिजिटल डायरी है, जहाँ कोई भी व्यक्ति अपने विचार, अनुभव या जानकारी साझा कर सकता है। इसकी उपयोगिता सूचनाओं के प्रसार, व्यक्तिगत ब्रांडिंग, शिक्षा और जन जागरूकता बढ़ाने में है। यह अभिव्यक्ति का एक स्वतंत्र और सस्ता माध्यम है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

ब्लॉग का उदाहरण: विषय: पर्यावरण संरक्षण - हमारी जिम्मेदारी आज हम जिस तरह से प्राकृतिक संसाधनों का दोहन कर रहे हैं, वह चिंताजनक है। ग्लोबल वार्मिंग के खतरे को कम करने के लिए हम सभी को छोटे-छोटे प्रयास करने होंगे। घर के पास पेड़ लगाना, बिजली की बचत करना और सिंगल-यूज़ प्लास्टिक को पूरी तरह त्यागना ही भविष्य के लिए एक सुरक्षित धरती दे सकता है। आइए, प्रकृति को बचाएं!

(ख) फेसबुक और वाट्सऐप में क्या अंतर है?

उत्तर - फेसबुक और वाट्सऐप में अंतर :

फेसबुक	वाट्सऐप
1. फेसबुक एक 'सोशल नेटवर्किंग साइट' है।	जबकि वाट्सऐप एक 'इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप' है।
2. फेसबुक का उपयोग मुख्य रूप से सार्वजनिक संवाद, खबरें साझा करने और बड़े समूहों से जुड़ने के लिए किया जाता है।	वहीं वाट्सऐप का उपयोग मुख्य रूप से व्यक्तिगत बातचीत और त्वरित संदेश भेजने के लिए किया जाता है।
3. फेसबुक पर गोपनीयता की सीमा कम होती है।	जबकि वाट्सऐप में 'एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन' के कारण गोपनीयता का स्तर काफी अधिक रहता है।
4. फेसबुक व्यापक स्तर पर कंटेंट (जैसे फोटो और वीडियो) प्रसारित करने के लिए बेहतर है।	जबकि वाट्सऐप का उपयोग मुख्य रूप से छोटे और निजी समूहों में संचार के लिए किया जाता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

Thank you!

We hope you found this material helpful. We wish you the very best for your examination.

Strive for Excellence – Your Path to Success